■ मार्गशीर्ष शुक्ल - 9 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 146 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 21-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 धनखड़ की 'नकल' पिछड़ों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता का अपमान

6 गौरवान्वित करने वाली है भारतीय गणितीय परंपरा

7 फिल्म 'फाइटर' में ऋतिक रोशन एक बार फिर यूनिफॉर्म में नजर आएंगे

फर्स्ट टेक

नरेंद्र सिंह तोमर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष चुने गये

भोपाल/भाषा। वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को बुधवार को सर्वसम्मति से मध्य प्रदेश विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हुआ। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को 66 वर्षीय तोमर को विधानसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने समर्थन किया। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी तोमर को स्पीकर चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने समर्थन किया। विपक्षी कांग्रेस विधायक अजय सिंह, जयवर्धन सिंह और राजेंद्र कुमार सिंह सहित पांच और प्रस्ताव भी तोमर के पक्ष में पेश किये गये। प्रस्ताव के ध्वनि मत से पास होने के बाद अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) गोपाल भार्गव ने तोमर को सर्वसम्मति से विधानसभा अध्यक्ष घोषित किया।

24 लेखकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली/भाषा। साहित्य अकादमी ने हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू समेत 24 भारतीय भाषाओं की उत्कृष्ट रचनाओं के लेखकों को बुधवार को प्रतिष्ठित वार्षिक 'साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023' से सम्मानित करने की घोषणा की। उपन्यास श्रेणी में हिंदी के लिए संजीव, अंग्रेजी के लिए नीलम शरण गौर और उर्दू के लिए सादिक नवाब सहर को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने यहां बताया कि अकादमी ने नौ कविता-संग्रह, छह उपन्यास, पांच कहानी संग्रह, तीन निबंध तथा एक आलोचना की पुस्तक को पुरस्कार के लिए चुना है।

हमास के शीर्ष नेता गाजा में युद्ध पर बातचीत के लिए काहिरा पहुंचे

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानियेह गाजा में युद्ध पर बातचीत के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंच गए हैं। गाजा में 10 सप्ताह से अधिक समय से इजराइल की बमबारी और युद्ध में करीब 20,000 फलस्तीनी मारे गए हैं। इजराइल ने दुनिया से हमास को एक आतंकवादी संगठन के रूप में काली सूची में डालने का आह्वान करते हुए कहा है कि सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में किए गए हमले के बाद इसका नामोनिशान मिटा देना चाहिए। हालांकि, दोनों पक्षों ने हाल में मिस्र और कतर की मध्यस्थता से अप्रत्यक्ष वार्ता फिर से शुरू की है, जिसका उद्देश्य एक और संघर्ष विराम करना और इजराइल द्वारा कैद किए गए फलस्तीनियों के बदले में उस हमले में पकड़े गए अधिक बंधकों को मुक्त कराना है।

सूर्यास्त 21-12-2023	सूर्योदय 22-12-2023
5:58 बजे	6:36 बजे

BSE	NSE
71,437.19	21,453.10
(+122.09)	(+34.45)

सोना	चांदी
6,565 रु.	79,730 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाये गए तीनों विधेयकों को लोकसभा ने मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ सदन ने लंबी चर्चा और गृहमंत्री अमित शाह के विस्तृत जवाब के बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य (बीएस) विधेयक, 2023 को ध्वनिमत से अपनी स्वीकृति दी।

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने औपनिवेशिक काल से चले आ रहे तीन आपराधिक कानूनों के स्थान पर सरकार द्वारा लगाए गए विधेयकों को बुधवार को मंजूरी दे दी। सदन ने लंबी चर्चा और गृहमंत्री अमित शाह के विस्तृत जवाब के बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य (बीएस) विधेयक, 2023 को ध्वनिमत से अपनी स्वीकृति दी।

ये तीनों विधेयक भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी),1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के स्थान पर लाये गए हैं।

नए अपराधिक कानूनों से 'मानव केंद्रित' न्याय प्रणाली बनेगी : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि तीन आपराधिक कानूनों के स्थानों पर लाए गए विधेयक मानव केंद्रित न्याय प्रणाली सुनिश्चित करेंगे तथा अब लोगों को 'तारीख पे तारीख' नहीं मिलेगी। शाह ने भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) विधेयक 2023 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि 'व्यक्ति की स्वतत्रंता, मानव के अधिकार और सबके साथ समान व्यवहार' रूपी तीन सिद्धांत के आधार पर ये प्रस्तावित कानून लाए गए हैं। गृह मंत्री का कहना था कि आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव किया जा रहा है जो भारत की जनता का हित करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुलामी की मानसिकता को मिटाने की दिशा में काम किया है...प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि औपनिवेशिक कानून से मुक्ति मिलनी चाहिए और इसी के तहत गृह मंत्रालय ने कानूनों को बदलने की दिशा में काम करना आरंभ किया।''

अनंतिम कर संग्रह विधेयक, 2023 को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने बुधवार को अनंतिम कर संग्रह विधेयक, 2023 को मंजूरी देकर सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क में अस्थायी बदलावों के बारे में बजट में घोषित कदमों को लागू करने का रास्ता साफ कर दिया। इस विधेयक में उन एकत्रित करों को लौटाने का प्रावधान है जिन्हें वित्त विधेयक में शामिल नहीं किया गया है। संशोधन विधेयक अनंतिम कर संग्रह अधिनियम, 1931 को निरस्त करता है। राज्यसभा ने बुधवार को संक्षिप्त चर्चा के बाद इस विधेयक को पारित कर दिया । लोकसभा इसे एक दिन पहले ही मंजूरी दे चुकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार विधेयक में 75 दिनों के लिए नई दर से सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क एकत्र करने के लिए संसद से मंजूरी मांगी गई है।

पन्नुन को लेकर अमेरिका के आरोपों पर बोले प्रधानमंत्री

हमारी प्रतिबद्धता कानून के शासन के प्रति है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत 'विदेशों में स्थित कुछ चरमपंथी समूहों की गतिविधियों को लेकर बहुत चिंतित' है। ''ये तत्व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में डराने-धमकाने और हिंसा भड़काने में लगे हुए हैं।''

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सिख अलगाववादी को निशाना बनाने की नाकाम साजिश का संबंध भारत से होने को लेकर अमेरिका के आरोपों पर अपनी पहली टिप्पणी में कहा है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रतिबद्धता कानून के शासन के प्रति है और अगर कोई सूचना देता है तो वह इस पर गौर करेगा।

ब्रिटिश अखबार 'फाइनेंशियल टाइम्स' को दिए एक साक्षात्कार में मोदी ने यह भी कहा कि भारत-अमेरिका के संबंध बहुत मजबूत हैं और दोनों ही पक्ष इसे समर्थन देते हैं तथा कुछ घटनाओं को राजनयिक संबंधों से जोड़ा जाना उचित नहीं है। मोदी ने कहा, ''अगर कोई हमें कोई सूचना देता है तो हम निश्चित तौर पर उस पर गौर करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''अगर हमारे किसी नागरिक ने कुछ भी अच्छा या बुरा किया है, तो हम उस पर गौर करने के लिए तैयार हैं। हमारी प्रतिबद्धता कानून के शासन के प्रति है।''

अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि निखिल गुप्ता नाम का व्यक्ति सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नुन की हत्या की नाकाम साजिश में भारत सरकार के एक कर्मचारी के साथ काम कर रहा था। पन्नुन के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है।

भारत ने आरोपों की जांच के लिए पहले ही एक जांच समिति का गठन कर दिया है। साक्षात्कार में मोदी ने कहा कि भारत 'विदेशों में स्थित कुछ चरमपंथी समूहों की गतिविधियों को लेकर बहुत चिंतित' है। उन्होंने कहा, ''ये तत्व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में डराने-धमकाने और हिंसा भड़काने में लगे हुए हैं।''

लोकसभा ने दूरसंचार विधेयक 2023 को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। देश में 138 साल पुराने टेलीग्राफ अधिनियम को निरस्त कर नया कानून बनाने के लिए लाए गए दूरसंचार विधेयक, 2023 को लोकसभा ने बुधवार को मंजूरी प्रदान कर दी, जिसमें प्रशासनिक तरीके से उपग्रह संचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटन का प्रस्ताव है।

सदन में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस विधेयक से दूरसंचार उपभोक्ताओं का संरक्षण होगा और कोई भी धोखाधड़ी से सिम प्राप्त नहीं कर सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) लाभ में है और इस उपक्रम में 4जी तथा 5जी के लिए काम शुरू हो गया है जो गति पकड़ेगा।

वैष्णव ने कहा, ''बीएसएनएल अगले एक साल में बहुत ही मजबूत और सक्षम निकाय बनेगा।''

मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से दूरसंचार विधेयक, 2023 को स्वीकृति प्रदान कर दी। उन्होंने बताया कि इस विधेयक में स्पेक्ट्रम संबंधी प्रावधान शामिल किए गए हैं और शिकायत निवारण की डिजिटल प्रणाली को जोड़ा गया है।

वैष्णव ने कहा कि दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा को लेकर भी इसमें कानूनी रूपरेखा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा, ''इसके माध्यम से नई प्रौद्योगिकी और नये उत्पाद विकसित करने की व्यवस्था की जाएगी।''

'अपनी बेइज्जती बर्दाश्त लेकिन कभी सहन नहीं करूंगा कि कोई पद की गरिमा को ठेस पहुंचाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि कोई कितनी भी उनकी बेइज्ज़ती कर ले, उसे वह 'खून के घूंट पी कर' सहन कर लेते हैं लेकिन वह कभी यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि कोई उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाए।

संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन की कार्यवाही कई दफा बाधित होने के बाद ग्यारह बजकर 45 मिनट पर पुन: आरंभ हुई तो कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने फिर एक बार विपक्ष की मांग दोहराई।

इस पर सभापति धनखड़ ने संसद परिसर में कुछ सांसदों की ओर से 'अशोभनीय आचरण' किए जाने की घटना की ओर से इशारा करते हुए कहा कि सिंह को इस बात का अंदाजा भी नहीं है कि उन्हें कितनी पीड़ा हुई है। उन्होंने कहा, ''आपकी चुप्पी मेरी कानों में गूंज रही है... खरगे जी की चुप्पी मेरी कानों में गूंज रही है...वह नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के अध्यक्ष हैं... सबको पता है कि क्या कुछ हो रहा है। आपको अंदाजा होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति वीडियोग्राफी कर आनंद लेता है... हरकतें करता है... ये संस्कार हैं क्या आपके ? यहां तक स्तर आ गया क्या?''

मातृभाषा का सम्मान करें और विदेशी भाषाओं को बढ़ावा न दें : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषाओं को बढ़ावा देने के बजाय अपनी मातृभाषा में बातचीत करने और इसका सम्मान करने का बुधवार को आग्रह किया। भागवत ने यहां 'अखिल भारतीय साहित्य परिषद' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश में लोगों ने अपनी मातृभाषा का इस्तेमाल करना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा, ''यहां हमारे देश में मातृभाषा के इस्तेमाल पर बहुत सारे मुद्दे हैं। हमने अपनी मातृभाषा का प्रयोग बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप, हमें अपने ग्रंथों का अर्थ समझने के लिए अंग्रेजी शब्दकोश का संदर्भ लेना पड़ता है।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''आज, हमने विभिन्न भारतीय भाषाओं के कई लेखकों को सम्मानित किया है। लेकिन, हमारी मातृभाषा को वास्तविक सम्मान तब मिलेगा, जब हम इसका इस्तेमाल करना शुरू करेंगे।'' साहित्य के बारे में आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इसे समाज के लाभ के लिए लिखा जाना चाहिए, न कि मनोरंजन या मानव जाति को किसी नुकसान के लिए। उन्होंने कहा, ''व्यक्ति को जिम्मेदार बनाने के लिए साहित्य लिखा जाना चाहिए।'' भागवत ने यह भी दावा किया कि प्राचीन काल में अन्य देशों में कोई धर्म नहीं था तथा यह भारत से चीन और जापान जैसे कुछ अन्य देशों में फैला।

नौकरी के बदले जमीन:

तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद पूछताछ के लिए तलब

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'रेलवे में नौकरी के बदले जमीन' धनशोधन मामले की जांच के क्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को दी। तेजस्वी (34) को 22 दिसंबर को संघीय एजेंसी के दिल्ली कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है, वहीं लालू प्रसाद को अगले सप्ताह 27 दिसंबर को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपने बयान दर्ज कराने के लिए पेश होने को कहा गया है।

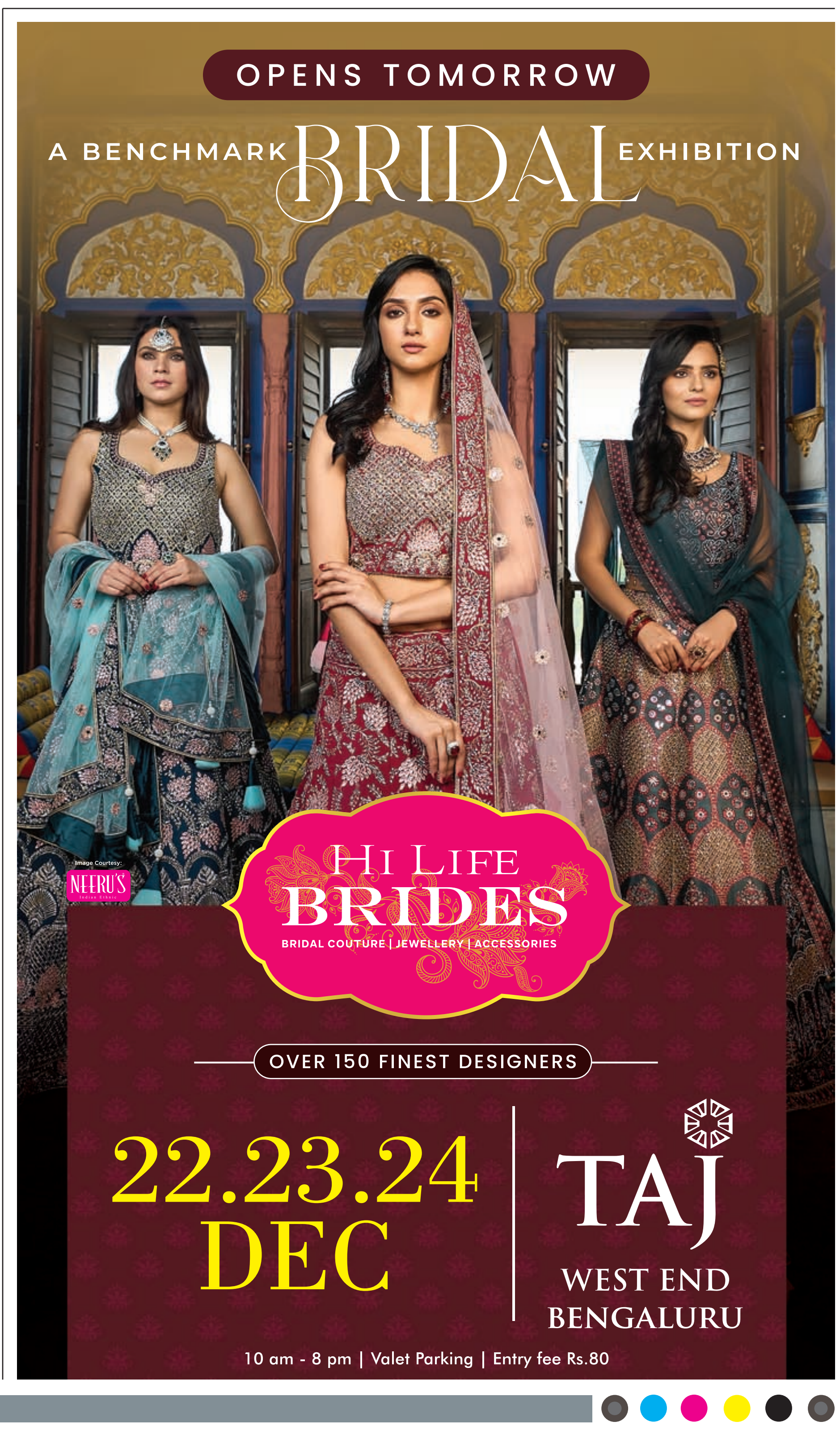

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कलाकार नेता

यूं तो सब नेता कलाकार,
ड्रामेबाजी में है माहिर।
मतलब बस सबको सत्ता से,
सारी दुनिया में जग जाहिर।
झूठे वादे सपने झूठे,
दिखलाते हैं सबको फिर-फिर।
कर रहे मिमिक्री वर्षों से,
खुद की खुद ही करके फिर-फिर।।

राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए ट्रंप अयोग्य घोषित

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के कोलोराडो राज्य के उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि 2021 में अमेरिकी कैपिटल (संसद भवन) पर हुए हमले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका थी और इस कारण वह अगला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते। न्यायालय ने अपने फैसले में यह भी कहा कि राज्य की रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति प्राइमरी चुनाव से ट्रंप का नाम हटाया जाए। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप (77) को अयोग्य ठहराए जाने वाला यह फैसला संविधान के 14वें संशोधन से जुड़ा है जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी संविधान को समर्थन देने, उसका पालन करने तथा उसे अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए शपथ लेने वाले अधिकारी यदि ''विद्रोह में शामिल होते हैं'' तो उन पर भविष्य में कार्यालय में शामिल होने पर रोक रहेगी।

सतर्क रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कोविड समीक्षा बैठक

नई दिल्ली/भाषा। देश में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बीच केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों की तैयारियों का जायजा लिया, साथ ही कोरोना वायरस के नए सामने आ रहे स्वरूप को लेकर सतर्कता बरतने की अपील की।

मांडविया ने राज्यों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि कोविड अभी खत्म नहीं हुआ है। साथ ही उन्होंने राज्यों से कोविड-19 के नए मामलों, लक्षणों और उनकी गंभीरता पर निगाह रखने का अनुरोध किया ताकि उचित सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की योजना बनाई जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्र की ओर से राज्यों को हर प्रकार का सहयोग दिये जाने का आश्वासन दिया और नए हालात से निपटने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, '' हमें सतर्क रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं।''

मांडविया ने चीन, ब्राजील, जर्मनी और अमेरिका जैसे कुछ देशों में कोविड के मामलों में वृद्धि से उत्पन्न चुनौती को रेखांकित किया और कोविड-19 के नए स्वरूप के खिलाफ तैयार रहने और सतर्क रहने की अपील की। बैठक के दौरान राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से अनुरोध किया गया कि वे परीक्षण में तेजी लाएं और कोविड के नमूने और निमोनिया जैसी बीमारियों के नमूनों को जीनोम अनुक्रमण प्रयोगशालाओं में भेंजे ताकि समय रहते नए स्वरूप का पता लगाया जा सके।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा : बेंगलूरु की मानवसेवी संस्था 'नई दिशा' की सदस्याओं ने मंगलवार को तावरेकरे के पास स्थित साईं वृंदावन विद्या वृद्ध आश्रम में निवासित बच्चों व वृद्धों के लिए भोजन, राशन सामग्री, कपड़े, साड़ी, कम्बल, यूनिफार्म, व्हीलचेयर आदि उपलब्ध करवाए। नई दिशा की अध्यक्ष अलका लोढ़ा, मंत्री श्रुति नाहर ने अपनी टीम के साथ मानवसेवी कार्य में सहयोग दिया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान : तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने हनुमानमल संजय बैद परिवार के सहयोग से गुरुकुल विद्यापीठ, केंगेरी में निवासित 90 निराश्रितों को नाश्ता करवाया। परिषद के अध्यक्ष विकाश छाजेड़, सेवा कार्य प्रभारी हितेश बोथरा, कार्यसमिति सदस्य महेश मांडोत,पंकज बैद ने सेवा कार्य में सहयोग दिया।

क्या मैं कहूं कि दलित होने की वजह से मुझे संसद में बोलने नहीं दिया जाता?: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि जाति को हर मुद्दे में नहीं घसीटा जाना चाहिए। उन्होंने साथ ही यह सवाल भी किया कि क्या उन्हें हर बार राज्यसभा में बोलने की अनुमति नहीं मिलने पर यह कहना चाहिए कि दलित होने के कारण ऐसा हुआ है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में उनकी, तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा नकल उतारे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्च सदन में कहा कि संसद परिसर में उनकी नकल उतारकर किसान समाज और उनकी जाति (जाट) का अपमान किया गया है।

खरगे ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सभापति का काम दूसरे सदस्यों को संरक्षण देना है लेकिन वह खुद इस तरह का बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे अक्सर राज्यसभा में बोलने की अनुमति नहीं दी जाती है। क्या मुझे यह कहना चाहिए कि मैं दलित हूं... इसलिए... उन्हें जाति के नाम पर बोल कर लोगों को नहीं भड़काना चाहिए।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह देश के लिए बहुत दुखद दिन है जब संवैधानिक पदों पर बैठे लोग अपनी जातियों के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यह मुद्दा उठाकर संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे से अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पूछा कि क्या अब हर किसी को अपनी जाति बताने वाला ठप्पा लगा कर घूमना चाहिए? खरगे ने सवाल किया कि संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों सदनों में कुछ भी नहीं कहा लेकिन संसद के बाहर उन्होंने अपनी बात रखी तो क्या प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को माफी नहीं मांगनी चाहिए।

संसद की सुरक्षा में सेंध की घटना पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर हंगामा करने पर दोनों सदनों से 90 से अधिक विपक्षी सदस्यों को निलंबित किए जाने के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कल मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सदन की 'मॉक कार्यवाही' का आयोजन किया था। निलंबित सांसदों ने संसद के नए भवन के मकर द्वार पर धरना दिया। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति और लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा, सदनों की कार्यवाही का संचालन किए जाने की नकल उतारी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, बनर्जी द्वारा कार्यवाही के संचालन की नकल उतारे जाने का मोबाइल फोन से वीडियो बनाते देखे गए। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष की नकल उतारे जाने की घटना पर मंगलवार को गहरी आपत्ति जताते हुए इसे अस्वीकार्य करार दिया था। सदन में तख्तियां लहराने और नारे लगाने के आरोप में पिछले कुछ दिनों के भीतर 141 सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में मंगलवार को 49 लोकसभा सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसद 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में चूक की घटना को लेकर दोनों सदनों में गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस की मप्र विधानसभा में नेहरू की तस्वीर लगाने की मांग, विस अध्यक्ष समिति गठित करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश विधानसभा से देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाने को लेकर हुए विवाद के बीच, नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को कहा कि सदन में महान नेताओं की तस्वीरें लगाने के बारे में निर्णय लेने के लिए विधायकों की एक समिति गठित की जाएगी।कांग्रेस नेहरू की तस्वीर हटाने को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साध रही है।

विधानसभा अध्यक्ष के आसन के पीछे नेहरू की तस्वीर लगी थी और जुलाई में इस तस्वीर को हटाकर संविधान निर्माता डॉ.बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की तस्वीर लगा दी गई थी।

बुधवार को कार्यवाही शुरू होने के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार और कांग्रेस के अन्य विधायकों ने यह मुद्दा तब उठाया, जब राज्यपाल मंगूभाई पटेल अभिभाषण दे रहे थे।

सोलहवीं मध्यप्रदेश विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू हो गया।

सिंघार ने मांग की कि सदन में नेहरू की तस्वीर फिर से लगाई जाये क्योंकि वह देश के एक कद्दावर नेता थे और उन्होंने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की तस्वीर भी विधानसभा में लगाई जानी चाहिए।भाजपा विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने सुझाव दिया कि बेहतर होगा कि अध्यक्ष सदन के अंदर नेताओं की तस्वीरें लगाने के मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए विधायकों की एक समिति गठित करें और उसकी सिफारिशों के आधार पर ऐसे मुद्दों का समाधान किया जाए।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी मामले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, ''विधायी परंपराओं के अनुसार, राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया जाता है और कोई अन्य मुद्दा नहीं उठाया जा सकता है। विपक्ष इस मामले को कल फिर से सदन में उठा सकता है।''

कांग्रेस द्वारा उठाई गई मांगों के बीच विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि महान नेताओं की तस्वीरें लगाने के मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए विधायकों की एक समिति बनाई जाएगी।

मुलाकात

नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को नई दिल्ली के संसद भवन में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन से मुलाकात करती हुईं।

जीएसटीएटी के अध्यक्ष एवं सदस्यों की आयु सीमा बढ़ाने संबंधी विधेयक को मिली संसद से मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) के अध्यक्ष और सदस्यों के लिए आयु सीमा बढ़ाने के प्रावधान वाले केंद्रीय माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 को बुधवार को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने बुधवार को इस विधेयक को चर्चा के बाद लौटा दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के सुझाव के बाद यह संशोधन किया जा रहा है। उन्होंने जीएसटी व्यवस्था को विकसित होने वाली व्यवस्था करार देते हुए कहा कि इसमें सुधार के लिए जीएसटी परिषद में विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा होती रहती है। उन्होंने विभिन्न न्यायाधिकरणों में रिक्तियों की चर्चा करते हुए इसे गतिशील विषय करार दिया और कहा कि नियुक्तियां होती रहती हैं और लोग सेवानिवृत्त भी होते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न रिक्तियों को जल्दी भरने के लिए प्रयासरत है लेकिन पदों की प्रकृति तकनीकी होने के नाते पात्र लोगों को खोजने में दिक्कत होती है।

वित्त मंत्री ने फर्जी जीएसटी दावों सहित अन्य चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि जीएसटी परिषद इस पर चर्चा कर रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी से जुड़ी सभी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है और अब किसी कार्यालय जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस क्रम में जिक्र किया कि गुजरात के वित्त मंत्री ने जीएसटी सेवा केंद्र की स्थापना की है और लोग इसका फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने राज्यों से भी इस प्रकार की पहल का अनुसरण करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान कुछ सदस्यों की ओर से तमिलनाडु में भारी बारिश से पैदा हुई स्थिति का जिक्र किए जाने और केंद्रीय मदद मुहैया कराए जाने को लेकर सवाल उठाए जाने पर कहा कि केंद्र सरकार ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य के लिए आवश्यक मदद मुहैया कराई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिन भर संसद में थे लेकिन इसके बावजूद उन्होंने देर रात तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन से मुलाकात की।

सीतारमण ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जो मदद मांगी गई थी, उनमें से अधिकांश केंद्र सरकार पहले ही मुहैया करा चुकी है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को जब भी जरूरत हुई, प्रधानमंत्री मोदी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहे हैं।

संबोधन

नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी बुधवार को नई दिल्ली के विजय चौक पर पार्टी सांसदों के साथ मीडिया को संबोधित करती हुईं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अमित शाह से की मुलाकात

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उनसे सूखे से प्रभावित राज्य के लिए 18,177.44 करोड़ रुपये की राशि शीघ्र मंजूर करने का अनुरोध किया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक सिद्दरामैया ने केंद्रीय गृह मंत्री से संसद में स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की।

सिद्दरामैया ने कहा कि कर्नाटक के लिए सूखा राहत राशि को मंजूरी प्रदान करने के लिए जल्द से जल्द उच्च स्तरीय समिति की एक केंद्रीय बैठक बुलाई जानी चाहिए। शाह के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के 236 में से 223 तालुकों में सूखे के कारण छोटे और सीमांत किसान अधिक प्रभावित हुए हैं जबकि 48.19 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में बोई गई फसलें सूखे से प्रभावित हुई हैं।

सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य सरकार ने तीन महीने पहले केंद्र से 18,177.44 करोड़ रुपये के सूखे राहत पैकेज की मांग करते हुए उसे एक ज्ञापन सौंपा था और केंद्र से इस मामले में तेजी लाने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने केंद्र से सूखा राहत पैकेज को मंजूरी देते समय 2015-16 के आंकड़ों के बजाय किसानों की नवीनतम आबादी के आंकड़ों पर विचार करने का अनुरोध किया। कर्नाटक सरकार ने 22 सितंबर को अपना ज्ञापन सौंपा था। नतीजतन, एक केंद्रीय टीम ने अक्टूबर में राज्य का दौरा किया और एक रिपोर्ट सौंपी। सिद्दरामैया ने इसी मुद्दे को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की थी।

चालू वित्त वर्ष में उत्तर भारतीय चाय बागानों का मार्जिन कम होने के आसार: इक्रा

कोलकाता/भाषा। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान चाय उत्पादन की लागत बढ़ने और पश्चिम बंगाल एवं असम में वेतन वृद्धि होने से उत्तर भारत के चाय बागानों का लाभ (मार्जिन) घट जाएगा। इक्रा रेटिंग्स ने कहा कि कम निर्यात मांग और सुस्त ग्रामीण खपत के कारण भी मार्जिन पर असर पड़ेगा। उसने कहा कि चाय क्षेत्र के लिए परिदृश्य को स्थिर से संशोधित कर नकारात्मक किया गया है। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2023 के पहले 10 महीनों में पारंपरिक किस्म की अखिल भारतीय नीलामी कीमतों में सालाना आधार पर लगभग 51 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई।

इसी अवधि में दक्षिण भारत में चाय कीमतों में गिरावट सात रुपये प्रति किलोग्राम से कम थी। इक्रा ने कहा कि पारंपरिक चाय की बिक्री में गिरावट मुख्य रूप से ईरान से कम निर्यात मांग के कारण थी। इसी तरह, सीटीसी चाय की अखिल भारतीय संचयी नीलामी औसत में भी पहले 10 महीनों के दौरान छह रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई। इक्रा के मुताबिक, केन्या से चाय की अधिक आपूर्ति होने के कारण निर्यात बाजारों में प्रतिकूल परिस्थितियों के साथ सुस्त ग्रामीण मांग ने भी इस गिरावट में योगदान दिया है। सुजॉय साहा ने कहा, ''ईरान, रूस और यूएई को निर्यात में भारी गिरावट ने भारत में नीलामी केंद्रों पर चाय की कीमतों पर असर डाला है।''

केरल : तिरुवनंतपुरम में पुलिस और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में वामपंथी सरकार की 'नव केरल सदास' यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन को कथित तौर पर काले झंडे दिखाए जाने की घटना के मद्देनजर राजधानी में बुधवार को पुलिस और युवा कांग्रेस (वाईसी) के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई।

कांग्रेस की केरल इकाई ने बुधवार को धमकी दी कि अगर पुलिस ने उसके युवा और छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर हमला करने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की तो वह कानून अपने हाथ में ले लेगी।

विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने धमकी दी कि अगर पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमला करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं की गई तो उनके युवा कांग्रेस (वाईसी) और केरल छात्र संघ (केएसयू) के कार्यकर्ता अब जवाबी हमला करेंगे।

कांग्रेस नेता ने तिरुवनंतपुरम में सचिवालय के बाहर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह चेतावनी दी।

'नव केरल सदास' कार्यक्रम के दौरान कन्नूर जिले के कल्लियास्सेरी से कोल्लम तक कुछ लोगों ने मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन को काले झंडे दिखाने को लेकर केएसयू के कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर हमला किया था।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की अयोध्या के लिए पहली उड़ान 30 दिसंबर को

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया एक्सप्रेस 30 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी से अयोध्या के लिए अपनी उद्घाटन उड़ान का परिचालन करेगी। एयरलाइन 16 जनवरी से इस मार्ग पर निर्धारित दैनिक सेवाएं शुरू करेगी। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विस्तारित रनवे है जो ए-321/बी-737 श्रेणी के विमानों के संचालन के लिए उपयुक्त है। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले इस हवाई अड्डे का उद्घाटन होगा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार को बयान में कहा कि उद्घाटन उड़ान आईएक्स 2789 30 दिसंबर को दिल्ली से 11.00 बजे रवाना होगी और 12.20 बजे अयोध्या में उतरेगी। वापसी में अयोध्या से आईएक्स 1769 उड़ान दोपहर 12.50 बजे रवाना होगी और 2.10 बजे दिल्ली पहुंच जाएगी। एयरलाइन के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा, ''एयर इंडिया एक्सप्रेस अयोध्या हवाई अड्डा खुलने के तुरंत बाद परिचालन शुरू करने को लेकर उत्साहित है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक शायद सबसे मुश्किल रेलमार्ग परियोजना: वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना शायद देश में आजादी के बाद संचालित सबसे कठिन नई रेलमार्ग परियोजना है। वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''हिमालय से गुजरने वाले भू-भाग भौगोलिक आश्चर्यों और विभिन्न समस्याओं से भरे हुए हैं।''

वह भाजपा सांसदों जामयांग सेरिंग नामग्याल, जुगल किशोर शर्मा और विद्युत बरण महतो के प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। रेल मंत्री से जम्मू कश्मीर में भारतीय रेलवे का नेटवर्क बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण मांगा गया था और पूछा गया था कि इस विस्तार से स्थानीय समुदायों और कारोबारों को किस तरह लाभ हो रहा है।

वैष्णव ने कहा, ''जम्मू कश्मीर में यूएसबीआरएल परियोजना के तहत नई रेल लाइन पर काम संचालित किया जा रहा है। परियोजना के कुल 272 किलोमीटर में से 161 किलोमीटर को तैयार कर लिया गया है।''

मोदी सरकार आने के बाद विद्यार्थियों के नामांकन में 26.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई : धर्मेन्द्र प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने के बाद से स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के नामांकन में 26.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि 2014-15 से 2021-22 के बीच लड़कियों के नामांकन में 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और अनुसूचित जाति (एससी) की लड़कियों के लिए यह आंकड़ा 50 प्रतिशत है।

उनके मुताबिक इस अवधि में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एसटी) विद्यार्थियों के लिए नामांकन वृद्धि दर क्रमशः 44 प्रतिशत और 65 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद आदिवासी छात्राओं के नामांकन में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत में 30 करोड़ विद्यार्थी हैं, जिनमें से 26 करोड़ कक्षा 1 से 12 में और चार करोड़ उच्च शिक्षा में हैं। उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने के बाद पिछले कुछ वर्षों में स्कूलों के साथ-साथ उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों के नामांकन में 25-26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।''

वितरण

नई दिल्ली में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान बुधवार को नई दिल्ली के गौशाला रोड पर महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन वितरित करते हुए।

निवेशकों को एक दिन में हुआ 8.91 लाख करोड़ रुपये का भारी घाटा

नई दिल्ली/भाषा। शेयर बाजार के बुधवार को नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर जाने के बाद 931 अंकों का गोता लगाने से निवेशकों को 8.91 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती बढ़त के बाद 930.88 अंक यानी 1.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70,506.31 अंक पर बंद हुआ। हालांकि सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में 475.88 अंक की बढ़त के साथ अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 71,913.07 पर पहुंच गया था।

इस वजह से बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का सम्मिलित बाजार पूंजीकरण 8,91,729.43 करोड़ रुपये घटकर 3,50,19,998.87 करोड़ रुपये रह गया।

बेंगलूरु में हाल ही में कोविड से हुई पहली मौत, लेकिन चिंता की बात नहीं : दिनेश गुंडूराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने बुधवार को कहा कि हाल के दिनों में पहली कोविड मौत 15 दिसंबर को बेंगलूरु में हुई थी। हालांकि, इसके मद्देनजर राज्य की राजधानी में नए साल के जश्न पर प्रतिबंध लगाने के मामले में अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ एक वर्चुअल बैठक में हिस्सा लेने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''64 वर्षीय पुरुष की कोरोना के कारण बेंगलूरु के मल्लिगे अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। यह ज्ञात नहीं था कि वह जेएन-1 कोविड वैरिएंट से प्रभावित था या नहीं।''

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा, ''मरीज को कोविड-19 का पता चला था, और वह हृदय संबंधी समस्याओं, टीबी, बीपी और फेफड़ों की बीमारी आदि कई जटिलताओं से भी पीड़ित था।''

उन्होंने कहा, बेंगलूरु में नए साल के जश्न को प्रतिबंधित करने का कोई फैसला नहीं लिया गया है। आने वाले दिनों में स्थिति पर नजर रखने के बाद दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इस संबंध में कोई दिशानिर्देश जारी नहीं किया है। नया वैरिएंट अगस्त में पाया गया था और तीन महीने से बढ़ रहा है। यह वैरिएंट तेजी से फैलता है और ओमिक्रॉन वैरिएंट के समान है। हालांकि, यह घातक नहीं है और पूरे देश में इसके 20 मामले हैं।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्री से की मुलाकात

कर्नाटक की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए धन की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और बेंगलूरु में सुरंग परियोजना और मेकेदातु परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता मांगी। उन्होंने संसद भवन में वित्त मंत्री से मुलाकात की और बेंगलूरु में यातायात को सुगम करने के लिए सुरंग परियोजना, बेंगलूरु में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, अपर भद्रा परियोजना, अपर कृष्णा परियोजना और मेकेदातु परियोजना सहित राज्य की कई प्रमुख परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की मांग करते हुए एक पत्र सौंपा। सीतारमण को लिखे पत्र में बेंगलूरु शहर में तीन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता मांगी गई है।

उन्होंने पत्र में कहा है, बेंगलूरु शहर गंभीर यातायात भीड़ का सामना कर रहा है इसलिए उत्तर-दक्षिण गलियारे और पूर्व-पश्चिम गलियारे में यातायात प्रवाह को आसान बनाने के लिए 60 किलोमीटर लंबी सुरंग परियोजना की योजना बनाई जा रही है। 500 करोड़ रुपये प्रति किमी के हिसाब से सुरंग परियोजना की कुल लागत 30,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। पत्र में अगले बजट में राज्य और एनएचएआई के लिए केंद्रीय निधि के आवंटन की मांग की गई है क्योंकि सुरंग परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग 7 और 4 को जोड़ती है।

डीके शिवकुमार ने पत्र में बीएमआरसीएल द्वारा तैयार की जा रही विस्तार योजना के अनुसार बेंगलूरु में नम्मा मेट्रो के विस्तार के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी पाने में सीतारमण से मदद भी मांगी है। इसके अलावा, पत्र में राज्य सरकार द्वारा बेंगलूरु शहर में बाढ़ शमन बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के लिए विश्व बैंक को सौंपे गए प्रस्ताव के लिए वित्त मंत्रालय की मंजूरी और सहायता भी मांगी गई है।

पत्र में मेकेदातु परियोजना पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के लिए केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय की मंजूरी प्राप्त करने में उनके हस्तक्षेप की मांग की गई है। मेकेदातु परियोजना में बफर स्टॉक रखने, बिजली उत्पादन करने और बेंगलूरु शहर को पीने का पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कावेरी नदी पर 67 टीएमसी बांध बनाने की परिकल्पना की गई है।परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट को केंद्रीय जल आयोग से मंजूरी मिल गई है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट 2019 में प्रस्तुत की गई थी लेकिन इसे अभी तक केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय से मंजूरी नहीं मिली है। पत्र में अपर कृष्णा परियोजना के तीसरे चरण के लिए राजपत्र अधिसूचना प्राप्त करने में हस्तक्षेप की मांग की गई है। अपर कृष्णा परियोजना उत्तरी कर्नाटक की जीवन रेखा है। कृष्णा जल न्यायाधिकरण 2 ने 2010 में एक आदेश पारित किया था जिसमें कर्नाटक को कृष्णा बेसिन से 173 टीएमसी पानी का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। अपर कृष्णा परियोजना के तीसरे चरण में 130 टीएमसी पानी के उपयोग का प्रावधान है। इस परियोजना से विजयपुरा, बागलकोटे, कलबुर्गी, रायचूर, यादगीर और कोप्पल जिलों में 5.94 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होने का अनुमान है। हालांकि 16,900 करोड़ रुपये की इस परियोजना को कृष्णा जल न्यायाधिकरण ने एक दशक पहले मंजूरी दे दी थी, लेकिन इसे अभी तक राजपत्र में अधिसूचित नहीं किया गया है।

इस मामले में केंद्र के हस्तक्षेप की मांग करते हुए पत्र में कहा गया है कि इस अत्यधिक देरी के कारण उत्तरी कर्नाटक के लोग पीड़ित हैं। उन्होंने पत्र में पिछले केंद्रीय बजट में घोषित अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये की केंद्रीय निधि तत्काल जारी करने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की प्रक्रिया में देरी हो रही है और धन अभी तक जारी नहीं किया गया है, जिससे परियोजना की प्रगति बाधित हो रही है।

उपराष्ट्रपति का अपमान का बदला जनता देगी विपक्ष को : कुलजीत सिंह चहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा दिल्ली प्रदेश महासचिव कुलजीत सिंह चहल ने विश्वास जताया कि जनता अगले लोकसभा चुनाव में उपराष्ट्रपति का

अपमान करने के लिए विपक्ष को सबक सिखाएगी। मंगलवार को मल्लेश्वरम् के भाजपा राज्य कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की कार्रवाई ने सभी कृषक समुदाय और ओबीसी समुदाय को परेशान कर दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह ओबीसी समुदाय से हैं। सांसद अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। जब सत्ता छीन ली जाती है, तो वे हताश हो जाते हैं। राहुल गांधी ने उपराष्ट्रपति का मजाक उड़ाते हुए एक सांसद का वीडियो बनाया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता की तरह इस तरह का कृत्य करने वाले सांसद की आलोचना नहीं की। उपराष्ट्रपति कृषक समुदाय और ओबीसी समुदाय के नेता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि सदन के अंदर और बाहर उनका अपमान करना ठीक नहीं है। विपक्ष का रवैया सराहनीय नहीं है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में एक कहावत है कि 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने' मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री बनाने का सपना देखने से पहले कांग्रेस पार्टी को अतिविशिष्ट सांसदों के बारे में सोचने की जरूरत है। अब उसके पास बहुत कम सांसद हैं। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि यह महज एक दिवास्वप्न है।

उत्तर भारत के तीन बड़े राज्यों के चुनाव नतीजे 'मोदी गारंटी के पक्ष में हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि बीजेपी 2019 से भी ज्यादा सीटों के साथ 2024 में सत्ता में आएगी। यह स्पष्ट है कि 'आप' पार्टी के नेता घोर भ्रष्ट हैं। शराब घोटाले के मामले में दिल्ली की केजरीवाल कैबिनेट के दो मंत्री और एक सांसद पहले से ही जेल में हैं और उन्हें जमानत नहीं मिल रही है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि अब केजरीवाल की बारी आएगी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं फोटो, महिला और शख्स ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जिले के हुनसूर शहर में एक युवक और एक गृहिणी ने अपनी एक तस्वीर वायरल होने के बाद आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय विवाहित महिला श्रुति और 20 वर्षीय मुरली के रूप में की गई है, दोनों शहर के कलगुनिज के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, मुरली और श्रुति दोस्त थे और मुरली ने उसके साथ फोटो भी ली थी। यह तस्वीर उनके स्टेटस पर अपलोड की गई और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

इस बात की जानकारी होने पर श्रुति और मुरली के परिवार वाले इस बात पर लड़ने लगे। प्रतिक्रिया के डर से श्रुति ने अपने आवास पर फांसी लगा ली और उसके बाद मुरली ने भी आत्महत्या कर ली। यह ज्ञात नहीं है कि उनका कोई अफेयर था या नहीं। दोनों परिवारों ने हुनसूर पुलिस स्टेशन में शिकायत और जवाबी शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिद्दरामैया ने प्रधानमंत्री मोदी से महादायी, मेकेदाटु परियोजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बहुचर्चित महादायी और मेकेदातु परियोजनाओं को तत्काल मंजूरी देने का आग्रह किया है। जहां गोवा को महादयी परियोजना पर आपत्ति है, वहीं तमिलनाडु मेकेदातु परियोजना का विरोध करता रहा है। कर्नाटक के दृष्टिकोण से, महादयी परियोजना को राज्य के सूखाग्रस्त उत्तरी क्षेत्र में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, जबकि मेकेदातु परियोजना राज्य की राजधानी बेंगलूरु को पीने का पानी उपलब्ध कराएगी।

दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि उन्होंने महादायी नदी मामले पर कहा कि राजपत्र अधिसूचना बिना किसी बाधा के पूरी हो गई है। उन्होंने कहा, पर्यावरण मंत्रायल की मंजूरी जो लंबित थी, उसे केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेंडर हो चुका है और एस्टीमेट पूरा हो चुका है। सिद्दरामैया ने कहा, अगर केंद्र सरकार मंजूरी देती है, तो काम तुरंत शुरू हो सकता है। हमने महादयी परियोजना के लिए मंजूरी देने का अनुरोध किया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट में अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की थी। सिद्दरामैया ने कहा, हमने प्रधानमंत्री मोदी को अवगत कराया है कि यह केंद्र सरकार और कर्नाटक की पिछली भाजपा सरकार द्वारा की गई प्रतिबद्धता थी। उनकी घोषणा के अनुसार, धनराशि जारी की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कर्नाटक के लिए सूखा राहत पैकेज जारी करने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च-शक्ति समिति की बैठक बुलाने की भी मांग की। उन्होंने कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी से तुरंत बैठक बुलाने की अपील की है। सिद्दरामैया ने कहा, हमने पांच मांगें पेश की हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी मांगों को धैर्यपूर्वक सुना और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। हम राहत राशि वितरित करने में भी इसी भावना की उम्मीद करते हैं।

सिद्दरामैया ने 'कर्नाटक भवन' के पुनर्निर्माण का कार्य अगले साल जून तक पूरा करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को यहां कर्नाटक भवन' के पुनर्निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसे अगले साल जून तक पूरा करने का निर्देश दिया।

दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में कौटिल्य मार्ग पर स्थित 'कर्नाटक भवन' की मुख्य इमारत का पुनर्निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। सूत्रों के मुताबिक, सिद्दरामैया ने कर्नाटक लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को जून 2024 तक काम पूरा करने का निर्देश दिया है। पुनर्निर्माण का काम 2020 में शुरू हुआ और इसकी अनुमानित लागत 80-85 करोड़ रुपये थी।

सूत्रों ने बताया कि परियोजना को दो साल में पूरा किया जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी और दिल्ली सरकार के प्रदूषण प्रतिबंधों के कारण काम में देरी हुई। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप, परियोजना की लागत अब बढ़कर 120 करोड़ रुपये हो गई है।

तेरह साल की लड़की की हार्ट अटैक से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कमगलूरु। कर्नाटक के चिक्कमगलूरु जिले में स्कूल जाते समय दिल का दौरा पड़ने से बुधवार को 13 साल की एक लड़की की मौत हो गई। लड़की की पहचान मुदिगेरे तालुक के केसावलु जोगन्नानकेरे गांव की रहने वाली सृष्टि के रूप में हुई है। कक्षा 7 की छात्रा सृष्टि जब दारादाहल्ली प्राइमरी स्कूल जा रही थी तो वो अचानक बेहोश हो गई। उसे मुदिगेरे शहर के सरकारी एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पुष्टि की कि लड़की की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है।

संकेश्वर में कन्नड़ झंडा लगाने पर युवकों की पिटाई, शहर में तनाव

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले के संकेश्वर शहर में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति के पास कन्नड़ झंडा लगाने पर कथित तौर पर युवकों की पिटाई के बाद तनाव फैल गया है। पुलिस ने घटना के संबंध में पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और एक को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना चार दिन पहले संकेश्वर शहर के पास अंकाली गांव में हुई। एक समूह ने शिवाजी की प्रतिमा के पास कन्नड़ झंडा लगाने पर आपत्ति जताते हुए इसे तत्काल हटाने की मांग की। उनकी बात नहीं मानने पर समूह ने उन युवाओं पर हमला किया जिन्होंने कन्नड़ ध्वज लगाने का समर्थन किया था। घटना का एक वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस संबंध में कन्नड़ संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन किया और पुलिस की निष्क्रियता की निंदा की। बाद में आखिरकार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया।

स्वतंत्रता सेनानी संगोल्ली रायण्णा और शिवाजी की मूर्तियाँ एक साथ स्थापित करने का प्रस्ताव था। हालाँकि, इस प्रस्ताव का विरोध हुआ और मूर्तियों को अलग स्थानों पर स्थापित करने की मांग की गई। सूत्रों ने कहा कि इन घटनाक्रमों के बीच शिवाजी की प्रतिमा के पास एक कन्नड़ झंडा स्थापित लगाया गया, जिसके कारण विवाद हुआ। इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

खरगे यदि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनते हैं तो अच्छा है, लेकिन चुनाव जीतना बड़ी चुनौती : प्रियांक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे एवं कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार को कहा कि यदि उनके पिता विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनते हैं तो यह अच्छा है, लेकिन दिवास्वप्न देखने के बजाय पहले व्यावहारिक चुनौतियों का सामना करने की जरूरत है। प्रियांक खरगे ने कांग्रेस और विपक्षी इंडि' गठबंधन के दलों के लिए लोकसभा में बहुमत हासिल करने की जरूरत पर जोर दिया और इसे विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के सामने एक बड़ी चुनौती बताया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को यह कहते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को गठबंधन का संयोजक बनाने और प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की पैरवी की कि वह देश के पहले दलित प्रधानमंत्री हो सकते हैं, लेकिन बैठक में इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया।एमडीएमके नेता वाइको सहित कई नेताओं ने विपक्षी समूह की बैठक के बाद इसकी पुष्टि की और कहा कि खरगे ने नेताओं से कहा कि पहले जीतना और गठबंधन की ताकत बढ़ाना महत्वपूर्ण है, बाकी सब कुछ बाद में तय किया जा सकता है।

प्रियांक खरगे ने कहा, ''कांग्रेस अध्यक्ष ने इस पर स्पष्ट रूप से प्रतिक्रिया व्यक्त की है, उन्होंने कहा है कि हमारे सामने चुनौती अधिक से अधिक सांसदों को चुनकर दिल्ली भेजने की है। यह हमारे सामने प्रमुख चुनौती है। बहुमत हासिल करने के लिए जो कुछ भी करना पड़े, हम वह करेंगे।'' यहां पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल के जवाब में उन्होंने (प्रियांक) कहा, 'अगर कोई कन्नड़िगा प्रधानमंत्री बनता है तो क्या आप 'नहीं' कहेंगे?' ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा अगर वह (मल्लिकार्जुन खरगे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार) बनते हैं, तो अच्छा है, लेकिन हमें पहले सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का मुकाबला करना होगा, हम सिर्फ दिवास्वप्न नहीं देख सकते। हमें पहले कांग्रेस के लिए 200-250 सीटें जीतनी होंगी, इसके साथ ही हमें, विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के सदस्यों के साथ मिलकर एक अनुकूल माहौल बनाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी पार्टियों से भी अधिक से अधिक उम्मीदवार जीतें, उसके बाद अन्य प्रश्न उठेंगे।' सूत्रों ने बताया कि हालांकि खरगे का नाम प्रस्तावित किया गया था, जिसका कई नेताओं ने समर्थन किया था लेकिन बैठक के दौरान इस मुद्दे पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया।

कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य मल्लिकार्जुन खरगे ने 28 विपक्षी दलों के नेताओं की मौजूदगी वाली बैठक में अपना नाम प्रस्तावित किए जाने के बाद कहा, मैं वंचितों के लिए काम करता हूं। आइए पहले जीतें, फिर देखेंगे।

मैं और कुछ नहीं चाहता।' मंगलवार को संवाददाताओं द्वारा खरगे से पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के तौर पर उनका नाम फाइनल हो गया है, तो खरगे ने कहा, हमें पहले जीतना है और प्रधानमंत्री कौन होगा यह बाद में तय होने वाली बात है। पहले हमें बहुमत हासिल करना होगा और अपनी ताकत बढ़ानी होगी, फिर सांसद लोकतांत्रिक तरीके से फैसला करेंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई -16, SOUTHERN REGION, CHENNAI -16

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, दक्षिणी क्षेत्र में विभिन्न पदों के लिए ऑनलाइन भर्ती विज्ञापन द.क्षेत्र/01/2023

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भा.वि.प्रा.) द्वारा दक्षिणी राज्यों के उपरोक्त विभिन्न हवाईअड्डों पर निम्नलिखित पदों को भरने के लिए तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, पुदुच्चेरी और लक्षद्वीप के मूल निवासी पात्र उम्मीद्वारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पद कोड	पद का नाम, ग्रेड और वेतनमान	अनारक्षित	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	अन्य पिछड़ी जाति (नॉन-क्रीमी) लेयर	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	कुल	बेंचमार्क दिव्यांग लोग (शामिल) ए	बी	सी	डी & ई	भूतपूर्व कर्मचारी (शामिल)
01	कनिष्ठ सहायक (अग्निशमन सेवा) एनई - 4 (रु. 31000 - 3% - 92000)	40	6	18	2	7	73**	–	–	–		**
02	कनिष्ठ सहायक (कार्यालय)एनई - 4 (रु.31000 - 3% 92000)	1	–	1	–	–	2##	1	–	–	1	–
03	वरिष्ठ सहायक (इलेक्ट्रॉनिक्स) एनई 6 (रु. 36000 - 3%-110000)	13	2	4	4	2	25	–	–	–	–	3
04	वरिष्ठ सहायक (लेखा) एनई-6 (रु. 36000 - 3%-110000)	8	2	4	3	2	19$$	2	3	–	–	2

**विशेष भर्ती अभियान होने के कारण, केवल भूतपूर्व सैनिक (ईएसएम) उम्मीद्वार ही पद कोड 01 के लिए आवेदन के पात्र हैं। ## विज्ञापन संख्या द.क्षेत्र/01/2022 की बैकलॉग रिक्ति $$ जिसमें विज्ञापन संख्या द.क्षेत्र/01/2022 के अंतर्गत दिव्यांग लोग भी बैकलॉग रिक्ति में शामिल है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए प्रस्तावित केंद्र है : चेन्नई, मदुरै, बेलगावी, बेंगलुरु, कालीकट, कोचीन, हैदराबाद, विजयवाड़ा।

विस्तृत अधिसूचना एएआई वेबसाइट पर उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या अस्थायी है, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भा.वि.प्रा.) के पास भविष्य की आवश्यकताओं के आधार पर रिक्तियों को बढ़ाने या घटाने का अधिकार सुरक्षित है। बिना किसी कारणवश भा.वि.प्रा. के पास आवश्यकता पड़ने पर भर्ती प्रक्रिया को संशोधित/परिवर्तित/प्रतिबंधित/विस्तारित/रद्द करने का अधिकार भी सुरक्षित है। प्रबंधन का निर्णय अंतिम होगा और किसी भी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

आवेदक निर्देशों को ध्यान से पढ़ने के बाद भा.वि.प्रा. की वेबसाइट https://www.aai.aero/en/careers/recruitment पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पद के लिए आवेदन करने से पहले, उम्मीद्वार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह पात्रता और अन्य मानदंडों को पूरा करता है। किसी अन्य माध्यम से कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदन के संबंध में भा.वि.प्रा. को कोई दस्तावेज भेजने की आवश्यकता नहीं है। ऑनलाइन माध्यम के अलावा अन्य कोई आवेदन एवं शुल्क स्वीकार नहीं किया जाएगा। जो उम्मीद्वार कनिष्ठ सहायक (अग्निशमन सेवा) पद के लिए आवेदन करते हैं, उन्हें भा.वि.प्रा. वेबसाइट पर उपलब्ध शारीरिक फिटनेस आवश्यकता के विवरण को पूरा करना होगा। आवेदन का ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क का भुगतान दिनांक 27/12/2023 से 26/01/2024 तक है।

क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक
दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
मानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र (एचएसएफसी)
निर्माण एवं रखरखाव समूह (सीएमजी)
अंतरिक्ष भवन, बेंगलूरु - 560094, फोन : 080-22172614/2613/5610

ई-निविदा का विस्तार
शुद्धिपत्र क्र-1 दिनांक 19.12.2023

कार्य का नाम :
देवनहल्ली, बेंगलूरु में गगनयान सुविधाओं के लिए जीएलआर और पंप रूम का निर्माण (सिविल और पीएच कार्य)

निविदा का अनुमानित मूल्य : ₹. 87.92 लाख

कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि :	04 माह

ई-निविदा सूचना क्र. HSFC/CMG/2/(8)/C/89/2023-24 दिनांक : 05.12.2023

निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	27.12.2023 को 23.59 बजे तक बढ़ाया गया
बोली स्पष्टीकरण	28.12.2023 को 10.30 बजे तक बढ़ाया गया
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	28.12.2023 को 17.00 बजे तक बढ़ाया गया
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	29.12.2023 को 11.00 बजे तक बढ़ाया गया
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	29.12.2023 को 11.30 बजे

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (ई-एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह निदेशक, सीएमजी, एचएसएफसी

'हाई लाइफ ब्राइड्स' में नजर आएंगे फैशन के अनोखे अंदाज

कल ताज वेस्ट एंड में होगा आगाज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु एक बार फिर फैशन के अनूठे आयोजन का गवाह बनने के लिए तैयार है। भारत की मशहूर फैशन प्रदर्शनी कंपनी हाई लाइफ एग्जिबिशन कला और फैशन-प्रेमियों के लिए बेहतरीन ब्राइडल शोकेस 'हाई लाइफ ब्राइड्स' लेकर आ रही है। आयोजकों ने बताया कि 22, 23 और 24 दिसंबर को ताज वेस्ट एंड में हाई लाइफ ब्राइड्स में साल के बेहतरीन ब्राइडल फैशन कलेक्शन उपलब्ध होंगे।

इस संस्करण में, यह अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए शादी के परिधान, दुल्हन की जरूरी चीजों और ज्वैलरी में टॉप ब्रांड्स के लिए शानदार मंच होगा। हाई लाइफ ब्राइड्स का विजिट उन फैशन-प्रेमियों के लिए जरूरी है, जो इस नए सीजन में खास फैशन स्टेटमेंट चाहते हैं। चाहे आप पारंपरिक ढंग से शादी कर रहे हों या अपने आधुनिक ब्राइडल लुक में जादू का स्पर्श जोड़ने के लिए उत्सुक हों, यह आयोजन आपके लिए है। यहां डिज़ाइनर पहनावे, दुल्हन के पहनावे, शानदार आभूषण, कलाकृतियां और बहुत कुछ उपलब्ध होगा।

राजस्थान विधानसभा का सत्र शुरू, नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की नवगठित 16 वीं विधानसभा का पहला सत्र बुधवार को यहां शुरू हुआ जहां नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई गई। सत्र की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सराफ ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल ने पद की शपथ ली। उनके बाद उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं प्रेमचंद बैरवा ने शपथ ली। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक शांति धारीवाल ने अचानक सत्र बुलाने पर आपत्ति जताई। कांग्रेस के विधायक, संसद में विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर अपना विरोध जताने के लिए बांह पर काली पट्टी बांधकर सदन में पहुंचे। सदन में इस दौरान मौजूद प्रमुख चेहरों में कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट तो सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं अन्य नेता नजर आए।

राजस्थान की नवगठित 16 वीं विधानसभा का यह पहला सत्र है। लगभग नौ (रिपीट) नौ विधायक सदन में उपस्थित नहीं होने के कारण बुधवार को शपथ नहीं ले पाए। उन्हें बृहस्पतिवार को शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही कल राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्य में विधानसभा की 200 में से 199 सीट पर 25 नवंबर को मतदान हुआ। भाजपा ने 115 सीट जीतीं, जबकि कांग्रेस को 69 सीट मिलीं। करणपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इस सीट पर अब पांच जनवरी को मतदान होगा। भाजपा की ओर से वरिष्ठ विधायक वासुदेव देवनानी को विधानसभा अध्यक्ष बनाने की बनाने की घोषणा की गई है।

विधायक जुबेर व यूनुस खान सहित कई विधायकों ने ली संस्कृत में शपथ

राजस्थान की नवगठित 16वीं विधानसभा के पहले सत्र के पहले दिन बुधवार को जुबेर खान, यूनुस खान सहित कई नवनिर्वाचित विधायकों ने संस्कृत में शपथ ली। अनेक विधायकों ने राजस्थानी में शपथ लेनी चाही लेकिन आसन ने व्यवस्था का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया। सत्र की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई। प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सराफ ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सबसे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल ने पद की शपथ ली। उनके बाद उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं प्रेमचंद बैरवा ने शपथ ली। लगभग एक दर्जन विधायकों ने संस्कृत में शपथ ली। उनमें रामगढ़ से कांग्रेस विधायक जुबेर खान, डीडवाना से निर्दलीय विधायक यूनुस खान, भाजपा विधायक दीप्ति माहेश्वरी तथा नौक्षम चौधरी भी शामिल हैं।

अनेक विधायकों ने राजस्थानी में शपथ लेनी चाही। कोलायत से विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने सबसे पहले राजस्थानी में शपथ लेनी चाही। प्रोटेम स्पीकर सराफ ने राजस्थानी के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं होने तथा सदन की व्यवस्था का हवाला देते हुए इसकी अनुमति देने से इनकार किया। तब भाटी ने हिंदी में शपथ ली। शिव से युवा विधायक रवींद्र भाटी ने राजस्थानी में पूरी शपथ पढ़ ली फिर आसन के कहने पर उन्होंने हिंदी में शपथ पढ़ी। सूरतगढ़ से विधायक डूंगरराम के साथ साथ बाबू सिंह राठौड़, भीमराज भाटी ने भी राजस्थानी में शपथ लेनी चाही और बाद में हिंदी में शपथ ली।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक शांति धारीवाल ने अचानक सत्र बुलाने पर आपत्ति जताई। कांग्रेस के विधायक, संसद में विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर अपना विरोध जताने के लिए बांह पर काली पट्टी बांधकर सदन में पहुंचे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शपथ लेने के बाद संसद से विपक्ष के सांसदों के निलंबन का मुद्दा उठाना चाहा लेकिन आसन ने इसकी अनुमति नहीं दी।

सदन में इस दौरान मौजूद प्रमुख चेहरों में कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट तो सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं अन्य नेता नजर आए।

गहलोत 'विपक्ष' में वरिष्ठ विधायक दयाराम पंवार के साथ बैठे। पायलट एवं धारीवाल एक साथ पर बैठे थे। राजे, पुष्पेंद्र सिंह राणावत एवं वासुदेव देवनानी के साथ बैठीं। भाजपा एव कांग्रेस के अनेक विधायकों ने राजे को अभिवादन किया। बड़ी संख्या में विधायक राजे के पैर छूने गए तो अनेक विधायकों ने गहलोत के पैर भी छुए।

पहले दिन दिन राजस्थान की अनूठी संस्कृति की झलक भी सदन में दिखी। भारत आदिवासी पार्टी के तीनों विधायक पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे। युवा विधायक भाटी भी पारंपरिक राजधानी वेशभूषा में शपथ लेने पहुंचे। अनेक विधायकों ने राजस्थानी साफे एवं पगड़ी पहन रखी थी। सत्तापक्ष के अनेक विधायकों ने पार्टी का 'दुपट्टा' गले में ले रखा था। शपथ लेने के बाद विधायकों ने जय श्रीराम, वंदे मातरम, जय भारत, जय भीम, जय संविधान से लेकर अपने लोक देवताओं एव इलाकों के जयकारे लगाए। भाजपा की ओर से जीते तीन संतों ... प्रतापपुरी पोकरण, ओटाराम देवासी सिरोही, बालमुकुंद आचार्य हवामहल ने भी पारंपरिक परिधान में शपथ ली।

राजस्थान में कंपा देने वाली सर्दी, फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में बुधवार को न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई जबकि कुछ हिस्सों में कंपा देने वाली सर्दी का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, सीकर के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा। उन्होंने बताया कि सीकर में बीती रात का तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्रवक्ता ने बताया कि चूरू में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री, पिलानी (झुंझुनू) में 4.6 डिग्री और हनुमानगढ़ के संगरिया में 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अलवर में रात का तापमान पांच डिग्री, करौली में 5.7 डिग्री, भीलवाड़ा में 6.9 डिग्री, जैसलमेर में 7.3 डिग्री और चित्तौड़गढ़ में आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के अन्य स्थानों पर न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार, एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 22 दिसंबर को राज्य के कुछ भागों में बादल छाए रहने की संभावना है। केंद्र ने बताया कि इस दौरान जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में कहीं–कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है तथा शेष भागों में बारिश की संभावना काफी कम है। वहीं, 23–24 दिसंबर से न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट होने व राज्य के अधिकतर भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने की कोविड की तैयारियों की समीक्षा

कोविड प्रबंधन के लिए राज्य स्तरीय कमेटी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने देश के विभिन्न राज्यों में कोविड के मामले सामने आने के बाद चिकित्सा विभाग को सतर्कता बरतने और एहतियातन आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कोविड प्रबंधन के लिए चिकित्सा शिक्षा आयुक्त शिवप्रसाद नकाते की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कमेटी गठित करते हुए ग्रेडेड रेस्पॉन्स सिस्टम (केसेज की संख्या के अनुसार चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता) तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं, ताकि आवश्यकता होने पर रोगियों को तत्काल आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

श्रीमती सिंह बुधवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में कोविड–19, आईएलआई तथा एसएआरआई रोगों की समीक्षा कर रही थीं। बैठक में बताया गया कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार कोविड का नया सब वैरिएंट सॉर्स कॉव–2 जेएन.1 खतरनाक नहीं है। इस सब वैरिएंट से पॉजिटिव हुए करीब 90 प्रतिशत रोगियों को अस्पताल में भर्ती किए जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। घर पर ही आइसोलेशन में रहते हुए सामान्य उपचार से इसके रोगी ठीक हो रहे हैं। इससे घबराने या भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है, केवल सावधानी बरतने की जरूरत है। प्रदेश में इस सब वैरिएंट को लेकर फिलहाल चिंता की कोई स्थिति नहीं है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि सॉर्स कॉव–2 जेएन.1 सब वैरिएंट से खतरा नहीं होने के बावजूद प्रदेश में एहतियात के तौर पर कोविड प्रबंधन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने प्रदेश के राजकीय अस्पतालों के साथ ही निजी अस्पतालों में भी जांच, दवा, बैड, ऑक्सीजन सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं को परखने के लिए 26 दिसम्बर को पुनः मॉक ड्रिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पतालों से लेकर जिला अस्पतालों एवं सीएचसी–पीएचसी तक आवश्यकता के अनुसार जांच किट, दवा, ऑक्सीजन आदि चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

श्रीमती सिंह ने कोविड प्रबंधन को लेकर जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोविड से बचाव एवं तैयारियों आदि के लिए भारत सरकार की एडवाइजरी के अनुरूप प्रदेश में भी एडवाइजरी जारी की जाए, ताकि आमजन जागरूक रहें और चिकित्सा संस्थान अलर्ट मोड में रहें।

उन्होंने कहा कि आईएलआई एवं श्वसन रोगों से पीड़ित गंभीर रोगियों की सतत निगरानी की जाए तथा आवश्यकतानुसार जांच हेतु नमूने लिए जाएं।

भाजपा विधायक अंशुमान सिंह भाटी को राजस्थानी भाषा में शपथ लेने से रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 16वीं राजस्थान विधानसभा के पहले सत्र में कालायत विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अंशुमान सिंह भाटी को राजस्थानी भाषा में शपथ लेने से रोका गया। अंशुमान सिंह ने पहले शपथ राजस्थानी भाषा में ली जिसका विरोध करते हुए प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सर्राफ ने उन्हें हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में शपथ लेने के लिए कहा ,प्रोटेम स्पीकर ने कहा की राजस्थानी भाषा सविंधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं है जिसके कारण शपथ हिंदी या अंग्रेजी भाषा में ही ली जा सकती है। जिसके बाद इगझ चड–अंशुमान सिंह भाटी ने हिंदी भाषा में शपथ ग्रहण की है। मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना ने संस्कृत भाषा में शपथ ली है। आपको बता दे की कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रोटेम स्पीकर से राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग भी की है।

जमानत याचिका में परिवादी को पक्षकार बनाने की बाध्यता नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक रेफरेंस को तय करते हुए यह साफ कर दिया है कि जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पीड़ित एवं परिवादी को पक्षकार बनाने की बाध्यता नहीं हैं। न्यायमूर्ति अरूण भंसाली एवं न्यायमूर्ति पंकज भंडारी की खंडपीठ ने जमानत याचिकाओं में शिकायतकर्ता एवं पीड़ित को पक्षकार बनाए जाने को लेकर दो मत होने पर भेजे गए रेफरेंस को तय करते हुए मंगलवार को यह फैसला सुनाया। हालांकि न्यायालय ने कहा कि पीड़ित एवं परिवादी को जमानत याचिकाओं पर सुना जाना चाहिए। लेकिन उसे पक्षकार बनाने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए।

मामले से जुड़े अधिवक्ता प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि यह पूरा मामला एक जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान शुरू हुआ था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार की बेंच ने गत आठ अगस्त को आदेश दिया था कि जमानत याचिका में पीड़ित एवं परिवादी को पक्षकार बनाया जाना चाहिए। इस आदेश के बाद हाई कोर्ट प्रशासन ने 15 सितम्बर को एक स्टैंडिंग ऑर्डर निकालकर मजिस्ट्रेट कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट तक लगने वाली प्रत्येक जमानत याचिका में पीड़ित व परिवादी को पक्षकार बनाना अनिवार्य कर दिया था। लेकिन जब एक जमानत याचिका जस्टिस अनिल उपमन के यहां लगी तो उन्होंने जस्टिस वीरेन्द्र कुमार के आदेश से विपरीत व्यू लेते हुए यह मामला 27 सितम्बर को हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रेफर कर दिया। इस पर हाई कोर्ट की खंडपीठ ने 12 दिसम्बर को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित रखा लिया था। हाई कोर्ट बार के अध्यक्ष प्रह्लाद शर्मा ने बताया कि न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि सीआरपीसी के जिन प्रावधानों के तहत मजिस्ट्रेट कोर्ट, सैशन कोर्ट और हाई कोर्ट में जमानत याचिका लगाई जाती हैं। उसमें भी कही पीड़ित और परिवादी को पक्षकार बनाने की बाध्यता नहीं हैं वहीं जगजीत सिंह वर्सेज आशीष मिश्रा के मामले में भी उच्चतम न्यायालय ने यह नहीं कहा है कि पीड़ित व परिवादी को पक्षकार बनाना जरूरी हैं। उच्चतम न्यायालय ने इतना जरूर कहा है कि मामले के हर स्तर पर पीड़ित व परिवादी को सुना जाना चाहिए।

आगामी 100 दिनों की प्रभावी कार्ययोजना एक सप्ताह में बनाकर प्रस्तुत करें : सीताराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 20 दिसंबर 2023। पशुपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विभाग अगले 100 दिन की कार्ययोजना बनाकर इसे क्रियान्वित करे। पशुपालन विभाग में बुधवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि राज्य सरकार अपने संकल्प पत्र में किसानों और पशुपालकों से किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का यह संकल्प पत्र हमारे लिए नीति निर्धारक के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपनी कार्ययोजना बनाते समय 25 वर्षों के विजन को ध्यान में रखना है। हमें यह ध्यान मे रखना है कि अगले 25 सालों में हम अपने प्रदेश को कहां देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के जीडीपी का 15 प्रतिशत पशुपालन से आता है यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। दुग्ध प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी काम करने की बहुत अच्छी संभावना है। हमारे पास केंद्रीय नेतृत्व को विश्वास दिलाने का एक अवसर है कि पशुपालन को और अधिक महत्व मिलना चाहिए।

दीक्षांत ही वह समय होता है जब विद्यार्थी के अध्ययन काल में किये गए कठोर परिश्रम का प्रतिफल उसे प्राप्त होता है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दीक्षांत, विद्यार्थियों की शिक्षा के अंत का समय नहीं बल्कि नवीन मानवीय दृष्टिकोण से प्रारंभ होने वाली यात्रा का आरम्भ है। दीक्षांत ही वह समय होता है जब विद्यार्थी के अध्ययन काल में किये गये कठोर परिश्रम का प्रतिफल उसे प्राप्त होता है। यह विचार प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने बुधवार को उदयपुर स्थित महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित 17वां दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप देश के पहले ऐसे स्वाधीनता सेनानी थे जिन्होंने अपनी मातृभूमि की आन–बान और शान के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था। मेवाड़ के अधिपति भगवान शिव हैं। यहां के महाराणाओं ने महादेव को इस धरती का अधिपति मानते हुए ही यहां शासन की परम्परा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि कृषि में प्रौद्योगिकी जनित शोध के लिए आपके विश्वविद्यालय के अंतर्गत प्रौद्योगिकी व अभियांत्रिकी महाविद्यालय कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रसार शिक्षा के तहत प्रकृति अनुकूल कृषि को बढावा देते हुए किसानों को ऐसे प्रयासों के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया जिससे रासायनिक उर्वरकों का कम से कम उपयेग खेती में हो।

उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में इस तरह के कृषि और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों का निर्माण करने पर जोर दिया जिससे विद्यार्थी खेती के प्रति अधिकाधिक आकर्षित हो। मिश्र ने नवाचार व उद्यमिता के साथ उच्च शिक्षा को ज्ञान सृजन का बड़ा आधार बनाकर विकसित भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

धनखड़ की 'नकल' पिछड़ों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता का अपमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। विपक्षी सांसद द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की 'नकल' को पिछड़ों का प्रतिनिधित्व करने वाले और संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का अपमान करार देते हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को पूछा कि क्या भारत के लोग इस अपमान को बर्दाश्त कर सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी हमला करते हुए कहा कि जब सांसद उपराष्ट्रपति की नकल कर रहे थे तो वह वीडियो बना रहे थे। उन्होंने गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी सांसद रवि किशन के भोजपुरी स्टूडियो में कैमरापर्सन के लिए एक जगह खाली है और अगर वह (राहुल) इसके लिए परीक्षा देते हैं तो उनके नाम पर विचार किया जा सकता है।

संसद की सुरक्षा में सेंध की घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर हंगामा करने पर दोनों सदनों से 90 से अधिक विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था। निलंबन के विरोध में विपक्षी सांसदों ने कल मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सदन की 'मॉक कार्यवाही' का आयोजन किया था।

निलंबित सांसदों ने संसद के नए भवन के द्वार पर धरना दिया। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति और लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा, सदनों की कार्यवाही का संचालन किए जाने की नकल उतारी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, बनर्जी द्वारा कार्यवाही के संचालन की नकल उतारे जाने का मोबाइल फोन से वीडियो बनाते देखे गये थे ।

बुधवार को बस्ती में आयोजित 'सांसद खेल महाकुंभ' में अपने संबोधन में नड्डा ने कहा,''कल आप लोगों ने संसद में देखा होगा, आप संसद में नेताओं को भेजते हो कि वे वाद-विवाद करें । लेकिन संसद में जिन लोगो को आप लोगो ने भेजा हैं, वे वाद-विवाद के बदले 'जोकर' का काम कर रहे हैं ।'' उन्होंने कहा,'' सांसदों ने नकल करने का काम पकड़ लिया हैं । आपने देखा होगा कि एक सांसद भारत के उपराष्ट्रपति की नकल कर रहे थे जबकि उपराष्ट्रपति एक संवैधानिक पद है।''

लोकतंत्र का गला घोंट रही है सरकार : सोनिया गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने संसद से 140 से अधिक विपक्षी सदस्यों के निलंबन को लेकर बुधवार को सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि यह सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद की सुरक्षा में चूक की 'अक्षम्य घटना' पर संसद के बाहर अपने विचार रखे जिससे स्पष्ट है कि सदन की गरिमा की उन्हें कोई परवाह नहीं है।

सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कहा, ''इस सरकार द्वारा लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। इससे पहले कभी भी इतने सारे विपक्षी सांसदों को सदन से निलंबित नहीं किया गया, और वह भी केवल एक, बिल्कुल उचित और वैध मांग उठाने के लिए।'' उन्होंने कहा कि संसद के विपक्षी सदस्यों ने 13 दिसंबर की असाधारण घटना को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में गृह मंत्री से एक बयान दिए जाने की मांग की थी।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष के मुताबिक, सरकार की ओर से विपक्ष की मांग पर जैसा अहंकारपूर्ण व्यवहार किया गया, उसका वर्णन करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने संसद की सुरक्षा में चूक का उल्लेख करते हुए कहा कि 13 दिसंबर को जो हुआ वह अक्षम्य है और उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को इस घटना पर अपने विचार व्यक्त करने में चार दिन लग गए और उन्होंने ऐसा संसद के बाहर किया। ऐसा करके उन्होंने सदन की गरिमा के प्रति अपनी उपेक्षा और हमारे देश के लोगों के प्रति अपनी उपेक्षा का स्पष्ट संकेत दिया। मैं इसकी कल्पना करना आप पर छोड़ती हूं कि अगर भाजपा आज विपक्ष में होती तो क्या प्रतिक्रिया देती।

विपक्षी सांसदों को संसद से बाहर फेंक दिया, उस पर चर्चा नहीं हो रही : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा नकल किए जाने से संबंधित विवाद को लेकर बुधवार को कहा कि विपक्ष के करीब 150 सांसदों को संसद से बाहर फेंक दिया गया, लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद परिसर में उनकी, तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा नकल उतारे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए उच्च सदन में कहा कि संसद परिसर में उनकी नकल उतारकर किसान समाज और उनकी जाति (जाट) का अपमान किया गया है।

राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''अपमान किसने किया, कैसे किया? वहां सांसद बैठे थे, मैंने उनका वीडियो लिया। मेरा वीडियो मेरे फोन में ही है। मीडिया दिखा रहा है, मीडिया कह रहा है, मोदी जी कह रहे हैं, किसी और ने कुछ नहीं कहा।'' उन्होंने क्षोभ जताते हुए यह भी कहा, ''हमारे करीब 150 सांसदों को संसद से बाहर फेंक दिया, उस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। अडाणी जी पर कोई चर्चा नहीं हो रही है, राफेल पर फ्रांस ने कहा है कि जांच की अनुमति नहीं मिल रही है, इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। बेरोजगारी पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। हमारे सांसद दुखी हैं, वहां बैठे हैं, उसको लेकर आप चर्चा कर रहे हैं।''

मिजोरम में पत्थर की खदान धंसी, तीन लोगों के मरने की आशंका

आइजोल/भाषा। मिजोरम के ममित जिले के पुकजिंग इलाके में बुधवार को पत्थर की एक खदान के धंसने से कम से कम तीन मजदूरों के मरने की आशंका जताई जा रही है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक ये सभी मजदूर राज्य के बाहर के रहने वाले हैं, जिनके मलबे में फंसे होने की आशंका है।

उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद बचाव अभियान चलाया जा रहा है और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

अधिकारी ने कहा, ''अपराह्न करीब एक बजे हुई इस घटना का कारण अब तक पता नहीं चल सका है। मजदूरों की पहचान भी अब तक नहीं हो पाई है।'' पिछले साल नवंबर में हनाथियाल जिले के मौधर इलाके में पत्थर की एक खदान में हुए हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई थी।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और स्पीकर के पद की गरिमा बरकरार रखनी चाहिए : वेंकैया नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष के पद संवैधानिक होते हैं, जिनकी गरिमा और मर्यादा को कभी भी कमतर नहीं करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जुड़े 'मिमिक्री' विवाद पर पूर्व उपराष्ट्रपति प्रतिक्रिया दे रहे थे।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ मंगलवार को विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बनर्जी द्वारा धनखड़ की नकल उतारे जाने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया और सत्तारूढ़ भाजपा ने इस घटना की कड़ी निंदा की।

नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष के पद संवैधानिक होते हैं, जिनकी गरिमा और मर्यादा को गिराना नहीं चाहिए। इन उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों का मजाक उड़ाकर हम संसदीय आचरण की गलत मिसाल पेश कर रहे हैं और अपना ही उपहास उड़ा रहे हैं। हमें असहमति व्यक्त करने के लिए हमेशा संसदीय और लोकतांत्रिक तरीकों का ही उपयोग करना चाहिए।

संसद के दोनों सदनों में अनियंत्रित व्यवहार के चलते विपक्ष के लगभग 143 सांसदों को निलंबित किया जा चुका है।

अरुणाचल प्रदेश के शहर में निषेधाज्ञा लागू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिला मुख्यालय पासीघाट में बुधवार को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। जिले के दो महाविद्यालयों के खिलाफ एक संगठन के ''अनिश्चितकालीन लॉकडाउन'' के आह्वान के बाद यह कदम उठाया गया। संगठन 'आदि बाने केबांग यूथ विंग' (एबीकेवाईडब्ल्यू) ने बुधवार से अपनी उस मांग पर जोर देने के लिए यह आह्वान किया कि 'कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री' (सीएचएफ) और 'कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर' (सीओए) में अधिकांश नियुक्तियां राज्य के अनुसूचित जनजाति समुदाय से की जाएं। कॉलेज परिसरों में कानून-व्यवस्था की समस्या और अशांति की आशंका के मद्देनजर जिलाधिकारी ताई तग्गू ने बुधवार को पूरे पासीघाट शहर में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने और हथियार ले जाने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया।

पश्चिम बंगाल के लिए लंबित केंद्रीय निधि को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य की लंबित केंद्रीय निधि पर चर्चा करने के लिए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और बकाया राशि जारी करने की मांग की।

मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि राज्य और केंद्र के अधिकारी एक साथ बैठकर मुद्दों को सुलझा सकते हैं।

बनर्जी ने पार्टी के नौ सांसदों के साथ संसद परिसर में प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि केंद्र की 155 टीम पहले ही पश्चिम बंगाल का दौरा कर चुकी हैं और केंद्र की ओर से उठाए गए मुद्दों पर राज्य सरकार ने स्पष्टीकरण दिया है।

राज्य को राशि जारी करने को लेकर केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच खींचतान चल रही है। तृणमूल कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर अक्टूबर में राष्ट्रीय राजधानी में अपने महासचिव अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन भी किया था। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा के लिए जारी केंद्रीय निधि को हड़पने का आरोप लगाया है। राज्य की बकाया 'मनरेगा' राशि का जिक्र करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि संविधान के तहत श्रमिकों को भुगतान करना अनिवार्य है।

बनर्जी ने दावा किया, ''हमें वर्ष 2022-23 के बजट में मनरेगा के तहत 100 दिनों के काम के लिए एक पैसा भी नहीं मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए मिलने वाली धनराशि रोक दी गई है, ग्रामीण विकास योजनाएं बंद कर दी गई हैं और स्वास्थ्य अभियान कार्यक्रम भी बंद कर दिया गया है। हमें वित्त आयोग के तहत भी राशि नहीं मिल रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे अधिकारियों ने सभी तरह के स्पष्टीकरण दे दिए हैं जिनकी केंद्र ने मांग की थी। प्रधानमंत्री ने कहा है कि केंद्र और राज्य के अधिकारियों के बीच एक संयुक्त बैठक होगी। मैंने बताया कि हमने 155 बार स्पष्टीकरण दिया है। हम एक बार फिर ऐसा कर सकते हैं, वे कोई फॉर्मूला तय कर सकते हैं। संघीय ढांचे में केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों की हिस्सेदारी होती है।'' बनर्जी ने कहा, ''गरीब लोगों के लिए दी जाने वाली राशि को रोक देना उचित नहीं है।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं और पिछले वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं के लंबित दावों के तहत राज्य की केंद्र के पास 1.16 लाख करोड़ रुपये की राशि बकाया है।

युवाओं के लिए अपनी ताकत और सामर्थ्य दिखाने का मौका है सांसद खेलकूद प्रतियोगिता : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि हर संसदीय क्षेत्र में आयोजित हो रहे सांसद खेलकूद महाकुंभ युवाओं को अपनी ताकत और सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का एक अवसर हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बस्ती जिले में सांसद खेल महाकुंभ 3.0 के शुभारंभ के अवसर पर यह बात कही। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी मौजूद थे।

आदित्यनाथ ने कहा कि सांसद खेलकूद महाकुंभ हर संसदीय क्षेत्र में आयोजित हो रहे हैं। ये आयोजन युवाओं को अपनी ताकत और सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का एक अवसर हैं। उन्होंने कहा, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता हो या खेलो इंडिया खेलो और फिट इंडिया मूवमेंट जैसे आयोजनों के माध्यम से देश में खेलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। हर एक जनपद में एक-एक खेल का सेंटर बनाने की कार्यवाही भारत सरकार के माध्यम से शुरू हुई है। उत्तर प्रदेश ने भी संकल्प लिया है कि खेल और खिलाड़ियों के लिए हम लोग अपने कार्यक्रम बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, हर गांव में खेल का मैदान होगा, हर मैदान के साथ एक ओपन जिम भी होगा। हर जनपद में स्टेडियम का निर्माण, हर विकास खंड स्तर पर एक मिनी स्टेडियम का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसी सामर्थ्य का परिणाम है कि वैश्विक स्तर पर हमारे खिलाड़ी देश का नाम रोशन कर रहे हैं। '' उन्होंने उत्तर प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अब तक 500 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है, जिसमें डिप्टी एसपी भी बनाया गया है तो नायब तहसीलदार का पद भी दिया गया है और साथ ही पुलिस की अलग-अलग श्रेणी में भर्ती की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। खेल कोटे के अंदर 500 नए पद निकल रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि खेल कोटे में दो फीसद आरक्षण की व्यवस्था कर दी गई है जो खिलाड़ी वैश्विक प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करेगा, सरकार उसको सरकारी नौकरी भी देगी और आजीवन उसके भरण पोषण की भी व्यवस्था करेगी।

फ्रांस को 5-4 से हराकर भारत ने पांच देशों की टूर्नामेंट में दर्ज की सांत्वना जीत

वेलेंसिया (स्पेन)/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह के दो-दो गोल से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पांच देशों की टूर्नामेंट के अपने चौथे और आखिरी मैच में बुधवार को यहां फ्रांस को 5-4 से हराकर सांत्वना जीत दर्ज की।

मुकाबले में विवेक सागर प्रसाद (16वां मिनट) ने भारत के लिए पहला गोल किया। जुगराज ने 20वें और 60वें मिनट जबकि हरमनप्रीत ने 25वें और 56वें मिनट में टीम के लिए गोल दागे। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी खराब रहा। टीम को शुरुआती तीनों मैच में स्पेन (0-1), बेल्जियम (2-7) और जर्मनी (2-3) से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को टूर्नामेंट की कम रैंकिंग की टीम फ्रांस (विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज) ने भी कड़ी टक्कर दी।

पूजास्थल कानून बनने के बाद काशी और मथुरा के मुद्दे नहीं उठाए जाने चाहिए : अरशद मदनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम समूह) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बुधवार को कहा कि ज्ञानवापी के मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की ओर से खारिज करने को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

मौलाना मदनी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा, ज्ञानवापी मामले में (मस्जिद की) कमेटी उच्चतम न्यायालय जाने की तैयारी कर रही है और जहां तक मैं जानता हूं उन्होंने कुछ वकीलों से बातचीत भी कर ली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के स्वामित्व को लेकर वाराणसी की एक अदालत में लंबित मूल वाद की पोषणीयता और ज्ञानवापी परिसर का समग्र सर्वेक्षण कराने के निर्देश को चुनौती देने वाली सभी पांच याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सुनवाई के दौरान कहा कि वर्ष 1991 में वाराणसी की अदालत में दायर मूल वाद पोषणीय (सुनवाई योग्य) है और यह पूजा स्थल अधिनियम, 1991 से निषिद्ध नहीं है।

मदनी ने कहा, हम देश की सबसे बड़ी अदालत में अपना मामला रखेंगे और जो उसका फैसला आएगा उसे मानेंगे, क्योंकि उच्चतम न्यायालय हमारे देश में सबसे बड़ी अदालत है और उसके बाद कोई कानूनी रास्ता नहीं बचता।'' उन्होंने कहा, पूजास्थल कानून बनने के बाद हमें उम्मीद थी कि अब किसी और मस्जिद का मसला नहीं उठेगा, लेकिन सांप्रदायिक सोच वाली ताकतों ने उन्हें खत्म नहीं होने दिया। ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की ईदगाह का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया।

मदनी ने कहा, मेरा मानना है कि जब 1991 का कानून बन चुका था तो बाबरी मस्जिद के अलावा किसी और मसले को नहीं उठाना चाहिए था और सांप्रदायिक ताकतें इस देश में कभी भी हिंदू-मुस्लिम एकता कायम नहीं होने देंगी।

विरोधाभासी खबरों के बीच पंजाब किंग्स ने कहा,

आईपीएल नीलामी में सही खिलाड़ी को चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब किंग्स ने बुधवार को स्पष्टीकरण जारी किया कि दुबई में आईपीएल नीलामी के दौरान उन्होंने सही क्रिकेटर को अपने साथ जोड़ा है जबकि इस तरह की खबरें थी कि नाम में भ्रम के कारण उन्होंने 'गलत' खिलाड़ी के लिए बोली लगा दी।

मंगलवार को शशांक सिंह को नीलामी के अंतिम लम्हों में खरीदा गया जब विभिन्न फ्रेंचाइजी अनकैप्ड (जिन खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) भारतीय खिलाड़ियों को 20 लाख रुपये के उनके आधार मूल्य पर खरीदने का प्रयास कर रहीं थी।

नीलामी की संचालनकर्ता ने जब शशांक के नाम की घोषणा की तो पंजाब किंग्स की सह मालिक प्रीति जिंटा ने तुरंत ही बोली लगा दी और यह क्रिकेटर बिक गया।

खबरों के अनुसार फ्रेंचाइजी ने बाद में 'महसूस' किया कि उन्होंने गलती कर दी है और उन्होंने बोली वापस लेने के लिए नीलामी संचालनकर्ता से संपर्क किया।

अपने स्पष्टीकरण में पंजाब किंग्स ने कहा, ''मीडिया ने शशांक सिंह के बारे में लिखा है कि पंजाब किंग्स ने उन्हें गलती से खरीद लिया। पंजाब किंग्स स्पष्ट करना चाहते हैं यह खिलाड़ी हमेशा उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल था जिन पर हमें बोली लगानी थी।'' उन्होंने कहा, ''भ्रम इसलिए था क्योंकि सूची में एक ही नाम के दो खिलाड़ी थे। हमें उसे अपने साथ जोड़ने की खुशी है और उसे हमारी सफलता में योगदान देते हुए देखते हैं।'' पंजाब किंग्स के एक अधिकारी ने पीटीआई से बुधवार को कहा कि सही खिलाड़ी चुना गया है और फ्रेंचाइजी की पिछले कुछ समय से उन पर नजरें थी।

अधिकारी ने कहा, ''हमने सही खिलाड़ी को चुना है। पिछले कुछ समय से हम उस पर नजर रखे हुए थे। वह छत्तीसगढ़ का 32 साल का खिलाड़ी है जो 2022 सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था।'' उन्होंने कहा, ''खबरों में इसी नाम के 19 साल के क्रिकेटर के साथ भ्रम हो रहा है।''

एफआईएच पुरस्कार कड़ी मेहनत और दृढता का नतीजा : हार्दिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने बुधवार को कहा कि एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार उनकी कड़ी मेहनत और दृढता का नतीजा है जो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये इतने साल से उन्होंने दिखाई है।

मनप्रीत सिंह (2019) और हरमनप्रीत सिंह (2020 .21 और 2021 .22) के बाद यह पुरस्कार पाने वाले हार्दिक भारत के तीसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए । वहीं महिला टीम की कप्तान सविता पूनिया ने लगातार तीसरी बार एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता ।

हार्दिक ने कहा ,'' यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पाना सम्मान की बात है । मैं अपने साथी खिलाड़ियों, कोचों और समर्थकों का शुक्रगुजार हूं जो मेरी सफलता के स्तंभ रहे । इससे लगातार अच्छे प्रदर्शन की मेरी ललक और बढी है ।'' उन्होंने कहा ,'' इस सफर में कई चुनौतियां और सबक मिले । इससे यह विश्वास भी पक्का हो गया कि कड़ी मेहनत, दृढता और सहयोगी टीम के साथ होने से बड़ी उपलब्धियां अर्जित की जा सकती है ।''

हार्दिक ने 2022 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीता था । अब तक 114 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके 25 वर्ष के हार्दिक तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे । इसके अलावा वह इस साल एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी और एशियाई खेल चैम्पियन टीम के भी सदस्य रहे ।

ऑस्ट्रेलिया पर पहली टेस्ट जीत के लिए लय जारी रखने की जरूरत : हरमनप्रीत कौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहती हैं कि उनके खिलाड़ी गुरूवार से यहां आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले एकमात्र महिला टेस्ट में उसी जज्बे और ऊर्जा से मैदान में उतरे जो उन्होंने हाल में इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड जीत के दौरान दिखाया था।

भारत ने डीवाई पाटिल स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट में इंग्लैंड को रिकॉर्ड 347 रन से पराजित किया था जो रनों के लिहाज से किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत थी। अब टीम की निगाहें आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली टेस्ट जीत दर्ज करने पर लगी हैं।

भारतीय महिला टीम 10 टेस्ट में आस्ट्रेलिया को कभी भी हरा नहीं सकी है और यह मुकाबला निश्चित रूप से फिटनेस और जज्बे के लिहाज से चुनौती भरा होगा क्योंकि मेजबान टीम लगातार मैच खेल रही है।

हरमनप्रीत ने बुधवार को यहां भारत के ट्रेनिंग सत्र के बाद पत्रकारों से कहा, ''सत्र के पहले टेस्ट में हमने जैसा प्रदर्शन किया है, हम उसी ऊर्जा को इसमें भी जारी रखना चाहेंगे। यह काफी रोमांचक मुकाबला होगा क्योंकि आस्ट्रेलिया की टीम इतनी अच्छी है जिससे हर कोई उन्हें हराना चाहता है। ''

आस्ट्रेलियाई टीम मेग लैनिंग के बिना होगी जिन्होंने हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिससे टीम की अगुआई की जिम्मेदारी एलिसा हीली के कंधों पर है।

हरमनप्रीत ने कहा कि लैनिंग की अनुपस्थिति से ज्यादा अंतर नहीं पड़ेगा क्योंकि आस्ट्रेलिया एक मजबूत टीम है। उन्होंने कहा, ''उनकी टीम काफी संतुलित है और हर खिलाड़ी को सभी प्रारूपों का अनुभव है। हम यह नहीं कह सकते कि मेग लैनिंग टीम में नहीं है तो हम उन्हें हल्के में लेंगे। उनकी टीम कितनी अच्छी है, यह सोचने के बजाय हमें यह सोचना चाहिए कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे कर सकते हैं। ''

भारतीय कप्तान ने कहा कि उनकी टीम टेस्ट क्रिकेट खेलने को लेकर काफी उत्साहित है लेकिन खिलाड़ियों के कार्यभार को संभालना थोड़ा चुनौतीपूर्ण है।

हरनप्रीत ने कहा, ''जब आप लगातार टेस्ट खेल रहे हो तो आपके लिए थकान से उबरना और तरोताजा महसूस करना महत्वपूर्ण है।

सुविचार

यदि लक्ष्य ना मिले तो रास्ते बदलो, क्योंकि वृक्ष अपनी पत्तियां बदलते हैं जड़े नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह कैसे संभव है?

कुख्यात आतंकवादी दाऊद इब्राहिम को पाकिस्तान में कथित तौर पर जहर दिए जाने और उसके 'अस्पताल में भर्ती' होने के कयासों के उस पहलू को देखने-समझने की जरूरत है, जिसे इन दिनों ज्यादातर लोग नज़र-अंदाज़ कर रहे हैं। सबसे पहला सवाल तो यही है कि यह कयासबाजी कहां से शुरू हुई और इसे किसने हवा दी? इसके पीछे पाकिस्तान की एक यूट्यूबर, जो वरिष्ठ पत्रकार बताई जाती हैं, का नाम सामने आ रहा है, जो पिछले कुछ वर्षों से भारत के समाचार चैनलों पर दिखाई दे रही हैं और उनके यूट्यूब चैनल पर ज्यादातर वीडियो भारत की तारीफों से भरे पड़े हैं। वहीं, भारत के एक यूट्यूबर ने इस कयास को 'ब्रेकिंग न्यूज' की तरह पेश कर यह दिखाने की कोशिश की कि उनके 'सूत्रों' की पहुंच दाऊद इब्राहिम तक है। उसके बाद भारत और पाकिस्तान में कई यूट्यूबरों ने इसे हाथोंहाथ लिया। पाकिस्तान के समाचार चैनलों और प्रमुख वेबसाइटों ने ऐसे कयासों में कोई रुचि नहीं ली, लेकिन भारत में कई चैनलों ने 'पाकिस्तानी यूट्यूबर' के दावे को आधार मानकर इसे खूब प्रसारित किया। इस समूचे घटनाक्रम पर गौर किया जाए तो ताज्जुब होता है कि पाक में जिन लोगों ने ऐसे दावे कर सनसनी फैलाई, अपने यूट्यूब चैनल पर खूब व्यूज बटोरे, वे सकुशल हैं! जबकि पाकिस्तान तो अपनी जमीन पर दाऊद के होने से ही साफ इन्कार करता रहा है! इन दोनों बिंदुओं को एकसाथ देखा जाए तो संदेह पैदा होता है। पाक में स्वतंत्र पत्रकारिता का कहीं अस्तित्व नहीं है। वहां जिन पत्रकारों ने फौज, आईएसआई और आतंकवादियों के खिलाफ मुंह खोला, वे 'चुप' करा दिए गए। उनमें से कुछ तो विदेश में शरणार्थी हैं।

फिर यह कैसे संभव है कि कोई यूट्यूबर पाकिस्तान में फौज, आईएसआई और कट्टरपंथियों को आड़े हाथों ले और वहां सुरक्षित भी रहे? बहुत संभव है कि इन लोगों को आईएसआई ने ही तैयार किया हो कि वे यूट्यूब चैनल के जरिए भारत की तारीफ करें और पाकिस्तान की नीतियों पर सवाल उठाएं। इससे वे बड़ी तादाद में भारतीय दर्शकों को जोड़ लेंगे। पाकिस्तान से चलाए जा रहे कई यूट्यूब चैनल दिन-रात अपनी फौज, खुफिया एजेंसियों और कट्टरपंथियों को कोस रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती! जबकि ऐसे मामलों में पाकिस्तान का रुख बहुत सख्त रहा है। इन चैनलों के ज्यादातर दर्शक भारतीय हैं। उनमें से कई तो पाकिस्तानी महिला यूट्यूबरों की 'खूबसूरती' की तारीफें करते रहते हैं। वहां टिप्पणियों में शायद ही कोई पाकिस्तानी नजर आएगा। पाक में आतंकवादी ओसामा बिन लादेन के ठिकाने की सूचना अमेरिका को देने वाले डॉक्टर शकील अफरीदी को फौज ने न केवल जेल में डाला, बल्कि बुरी तरह प्रताड़ित भी किया था। लेकिन दाऊद इब्राहिम के बारे में कथित सूत्रों के जरिए सूचनाएं देने वाले ये पाकिस्तानी यूट्यूबर खुले घूम रहे हैं! यह कैसे संभव है? कहीं पाक फौज और आईएसआई इनके जरिए भारतीय जनमानस को प्रभावित करने में तो नहीं लगी हैं? कहीं यह दाऊद जैसे आतंकवादियों से ध्यान हटाने की कोशिश तो नहीं है? पाक में कोई यूट्यूबर एक शिगूफा छोड़ देता है, जिसके बाद भारत में काफी लोग उसके पीछे लग जाते हैं। हो सकता है कि भविष्य में किसी और आतंकवादी के बारे में ऐसा दावा कर दिया जाए और वह किसी गुप्त ठिकाने से दहशतगर्दी की दुकान चलाता रहे! हमें ऐसे चैनलों से परहेज करना चाहिए। आज जो पाकिस्तानी यूट्यूबर दिनभर भारत की तारीफ करते नहीं थकते, उनके पुराने ट्वीट व वीडियो उनकी पोल खोल देते हैं, जिनमें वे भारत से नफरत का खुलकर इजहार करते नजर आते हैं। क्या अब उनका हृदय-परिवर्तन हो गया? उनके वीडियो पर भारत से खूब व्यूज आ रहे हैं, जिसके बदले वे हर महीने मोटी कमाई कर रहे हैं। इस सूरत में वे ऐसा कोई शब्द नहीं बोलेंगे, जिसे भारतीय दर्शक वर्ग पसंद न करे। जिस दिन उन्हें इस दर्शक वर्ग की जरूरत नहीं होगी, वे अपने 'आकाओं' के पक्ष में खड़े नजर आएंगे।

ट्वीटर टॉक

ये 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर पर जिन लोगों को लाभ मिला है, उसमें कोई कमी रह गई है, उसकी जानकारी लेना और जिन लोगों को लाभ नहीं मिला है, उनको लाभ पहुंचाने के संकल्प से चली है।

–जेपी नड्डा

अंग्रेजों द्वारा बनाया गया राजद्रोह का कानून, जिसके तहत तिलक महाराज, महात्मा गांधी, सरदार पटेल... हमारे बहुत सारे स्वतंत्रता सेनानी सालों साल जेल में रहे और वह कानून आज तक चलता रहा। जब विपक्ष में रहते थे, तब विरोध करते थे

–अमित शाह

16वीं विधानसभा के सदस्य के रूप में आज शपथ ग्रहण की। इस मौके पर विद्याधर नगर की जनता का एक बार फिर से बहुत बहुत आभार, जिन्होंने अपने प्रतिनिधि के रूप में मुझे ये मौक़ा दिया। संपूर्ण राजस्थान की जनता की सेवा ही मेरा ध्येय है।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सबसे बड़ा संतोष धन

एक बार एक नगर में गौतम बुद्ध प्रवचन देने के बाद लोगों से मिलते, उनकी समस्याएं सुनते और नेक सलाह देते। एक दिन प्रवचन के समय बुद्ध के शिष्य आनंद ने उनसे पूछा, 'भंते! आपके सामने हजारों लोग बैठे हैं। बताइए कि इनमें सबसे संतुष्ट कौन है?' बुद्ध ने एक विहंगम दृष्टि भीड़ पर डालते हुए कहा, 'वह देखो, सबसे पीछे एक दुबला-पतला फटे वस्त्र पहने जो आदमी बैठा है, वह सर्वाधिक संतुष्ट है।' आनंद सहमत नहीं हुआ। वह बोला, 'यह कैसे संभव है? वह तो बहुत दयनीय जान पड़ता है।' बुद्ध ने अपनी बात सिद्ध करने के लिए बारी-बारी से सामने बैठे लोगों से पूछा, 'तुम्हें क्या चाहिए?' किसी ने संतान मांगी, तो किसी ने मकान। कोई रोग मुक्ति चाहता था, तो कोई अपने शत्रु पर विजय। ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं था, जो जीवन से संतुष्ट हो। अंत में बुद्ध ने उस फटेहाल आदमी को बुलाकर पूछा, 'तुम्हें क्या चाहिए?' उसने हाथ जोड़कर जवाब दिया, 'कुछ नहीं। यदि ईश्वर को मुझे कुछ देना ही है तो बस इतना कर दें कि मेरे अंदर कभी कोई चाह पैदा न हो। मैं स्वयं को संतुष्ट मानता हूं।' उसकी बात सुनकर आनंद से बुद्ध ने कहा, 'आनंद! जहां चाह है, वहां संतुष्टि नहीं हो सकती। आनंद ने बुद्ध की इस शिक्षा को सदा के लिए गांठ बांध लिया।'

सामयिक

गौरवान्वित करने वाली है भारतीय गणितीय परंपरा

श्रीनिवास रामानुजन एक बार अपने भाषण में कहा था कि जैसे मोरों में शिखा और नागों में मणि का स्थान सबसे ऊपर हैं, वैसे ही वेदांग और शास्त्रों में गणित का स्थान सबसे ऊपर है। एक समीकरण मेरे लिए तब तक कोई मायने नहीं रखता जब तक कि वह ईश्वर के विचार को व्यक्त न करें। वर्ष 2012 में चेन्नई में 26 दिसम्बर 2011 को महान गणितज्ञ श्रीनिवास अयंगर रामानुजन की 125वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में वर्ष 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष और श्रीनिवास अयंगर रामानुजन के जन्म दिवस दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया गया।

अशोक प्रवृद्ध

हमारे दैनन्दिन जीवन में व्यापक रूप से उपयोग होने वाला गणित एक ऐसा विज्ञान है, जो गणितीय तत्वों और नियमों के अध्ययन में संख्याओं को बेहतरीन ढंग से समझने और उनके बीच संबंध बनाने की क्षमता प्रदान करता है। संख्याओं के बीच गणना करने की सरलता, सहजता और तीव्रता सुनिश्चित करने के लिए इसमें गणितीय सूत्रों, श्रृंखलताओं और नियमों का उपयोग किया जाता है, जो गणितीय कार्यों को सरल, सुगम और सहज बनाते हैं। भारत में अत्यंत प्राचीन काल से जटिल अंकगणितीय गणनाओं को सरल, आसान और अत्यल्प समय में हल करने के लिए पृथक भारतीय गणितीय परंपरा प्रचलित रही है। संसार के प्राचीनतम ग्रंथ वेद, उपनिषद, ब्राह्मण व सूत्र ग्रंथों, पुराण और महाकाव्यों में यत्र-तत्र गणितीय संबंधी तथ्यों का वर्णन वृहत रूप में हुआ है। वेद में शून्य शब्द के लिए अयुतं शब्द प्रयुक्त हुआ है। सृष्टि-रचना काल के संदर्भ में ब्रह्मदिन का वर्णन करते हुए अथर्ववेद में कहा गया है-

शतं ते ऽयुतं हायनान द्वे युगे त्रीणि चत्वारि कृण्मः। इन्द्राग्नी विश्वे देवास्तेऽनु मन्यन्ताम अहृणीयमानाः।। अथर्ववेद 8/2/21

इस मन्त्र का देवता अर्थात विषय प्रजापत्ति है। प्रजापत्ति का अर्थ है सृष्टि का रचने वाला। मंत्रार्थ इस प्रकार है - (ते) तेरे लिए। (युगे कृण्म) युगों को (रचना- काल को) करते हैं (यहाँ हम परमात्मा के लिए प्रयुक्त हुआ है)। (शतं अयुतं) सौ के दो शून्य और अयुत से पाँच शून्य (से पहले क्रमवार) (द्वे त्रीणि चत्वारि) दो, तीन और चार के अंक (के लगने से) (इन्द्राग्नि ते विश्वे देवा) इन्द्र और अग्नि (जो महान देवता हैं, उनकी सहायता से) (देवाः नु) ये देवता (अहृणीयमानाः मन्यन्ताम) पूर्ण शक्ति से अनुकूल रहें। इस मन्त्र का अभिप्राय यह है कि प्रजापत्ति (परमात्मा) ने हमारे लिए सृष्टि रचना की है। और उसकी अवधि निश्चित की है 4,32,00,00,000 सौर वर्ष इसमें दिव्य गुण युक्त पदार्थ बनाए हैं और वे हमारे अनुकूल हैं। अर्थात उन द्वारा हमारा पालन - पोषण होता है। अथर्ववेद में कहे गए इस मन्त्र के अनुसार ही भारतीय ज्योतिष शास्त्र भी गणना करता है। इस प्रकार एक ब्रह्म दिन (सृष्टि - रचना - काल) = 4,32,00,00,000 सौर वर्ष का होता है।

ब्रह्म दिन को वेद में स्कम्भ कहा है। स्कम्भ का अर्थ है - खम्भा। यह काल - रचना को आश्रय प्रदान करता है। इस कारण इसे स्कम्भ कहते हैं। इस सन्दर्भ अथर्ववेद में और भी मन्त्र हैं।

इसी प्रकार वेद में एक और उसके गणितीय गुण, अंकगणितीय प्रगति और अंकगणित श्रृंखला की झलक दिखाई देती है। अथर्ववेद में 1 गुणा 1 तथा 1 भाग1 बराबर1 होने का तथ्य अंकित है। भारतीय प्राचीन ग्रंथों में ऐसे गणित संबंधी तथ्य यत्र-तत्र- सर्वत्र बिखरे पड़े हैं। इस संबंध में विख्यात पृथक कोई ग्रंथ पढ़ने का सौभाग्य तो इन पंक्तियों के लेखक को अब तक प्राप्त नहीं हो सका है, लेकिन प्राचीन समय में प्रचलित गणितीय विद्या से संबंधित तथ्यों का वर्णन अनेक प्राचीन ग्रंथों में अनेक कथानकों और विषय- वस्तुओं के साथ यत्र- तत्र प्राप्य हैं, जिनसे गणितीय सूत्रों, नियमों तथा काल निर्धारण आदि के बारे में विशद जानकारी प्राप्त होती है। प्राचीन ग्रंथों में उल्लिखित इन सूत्रों व नियमों का संकलन कर उनके आधार पर स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ ने 1965 में वैदिक गणित नामक पुस्तक की रचना की है। वेद में उपलब्ध विभिन्न सूत्रों और उपनिषदों के आधार पर विकसित इस गणितीय पद्धति को वैदिक गणित कहा जाता है। गणित के सभी क्षेत्रों में लागू हो सकने वाले इन सूत्रों का उपयोग अंकगणित, बीजगणित, रेखागणित, ज्यामिति, ज्योतिष, लोगारिदमिक्स, आदि जैसे विभिन्न गणितीय क्षेत्रों में किया जा सकना वैदिक गणितीय सूत्रों की अद्वितीय विशेषता व व्यापकता को प्रदर्शित करता है। गतिशीलता, मनोरंजकता और साधारणता रोचकता और मनोहारिता वैदिक गणितीय सूत्रों की एक और महत्त्वपूर्ण विशेषता है। गणित में प्रतीकों एवं किसी तर्क-भाषा के रचना के नियमों का प्रयोग करते हुए बनाई गई समीकरण को सूत्र (फार्मूला) कहते हैं। विज्ञान में किसी सूचना या विभिन्न राशियों के बीच गणितीय सम्बन्ध को छोटे रूप में दर्शाने को सूत्र कहते हैं। इस ग्रंथ में बच्चों से लेकर वयस्कों तक के लोगों के लिए आसानी से समझने और अपनाने योग्य गणित के ऐसे सोलह सूत्र और तेरह उपसूत्र बतलाये गए हैं, जिनसे बड़े से बड़ा जोड़, घटाव, गुणा, भाग, लघुत्तम समापवर्त्य, महत्तम समापवर्तक, वर्ग, घन, वर्गमूल, घनमूल, बीजगणितीय समीकरण, द्वि-घात समीकरण, घन समीकरण, एकीकरण, पैथोगोरस प्रमेय, एपोलोनियास प्रमेय जैसी जटिल अंकगणितीय गणना को सहज व सरलता पूर्वक संपादित करने में आसानी होती है। इसका अभ्यास करने वाले व्यक्तियों के मानसिक गतिविधियों में स्पष्टता और तीव्रता प्राप्त होती है।

बुद्धि के विकास, समस्याओं को विचारपूर्वक हल करने की क्षमता और विचारशक्ति को सुदृढ़ता प्राप्त होती है। वैदिक गणित भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के साथ गहरा जुड़ा हुआ है। भारतीय संस्कृति, धर्म, और गणित के बीच एक मिश्रणहोने के कारण इस गणितीय पद्धति का महत्व व विशेषता और बढ़ जाती है। भारतीय संस्कृति और गणितीय विरासत की महत्वपूर्णता स्मरण करने, जाग्रत रखने और गणितीय योग्यता में सुधार के लिए इस वैदिक गणित को समझने, अध्ययन करने, और अपनाने की महती आवश्यकता है ताकि इसे जीवन में उपयोगी बनाया जा सके।

यद्यपि शून्य का उल्लेख अथर्ववेद, उपनिषद आदि प्राचीन ग्रंथों में हुआ है, लेकिन आधुनिक इतिहास में शून्य अर्थात ज़ीरो के जनक के रूप में विख्यात आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, भास्कर के नाम प्राचीन गणितज्ञों के रूप में प्रसिद्ध हैं। वर्तमान के गणितज्ञों में श्रीनिवास रामानुजन, के. आर. पार्थसारथी, दत्तात्रेय रामचंद्र कापरेकर, नरेंद्र करमाकर, प्रकाश चन्द्र महलानोबिस, सत्येंद्र नाथ बोस, शकुंतला देवी, सी. आर. राव आदि के नाम प्रमुख हैं, जिन्होंने भारतीय गणित के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वर्तमान में भारत के महान गणितज्ञ माने जाने वाले श्रीनिवास अयंगर रामानुजन (22 दिसम्बर 1887-26 अप्रैल 1920) की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है। तमिलनाडु के एक छोटे से गांव इरोड में 22 दिसम्बर 1887 को जन्में एक स्व-शिक्षित गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को अब तक के सबसे महान भारतीय गणितज्ञों में से एक माना जाता है। और गणित में उनके योगदान को याद करने के लिए 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है। श्रीनिवास रामानुजन ने अपने 32 साल के जीवनकाल में गणित की उन पहेलियों को सुलझाया, जिन्हें हल करना असंभव प्रतीत होता था। उन्हें निरंतर अंशों, रीमैन श्रृंखला, दीर्घवृत्तीय समाकलन, हाइपरज्यामितीय श्रृंखला और जेटा फ़ंक्शन के कार्यात्मक समीकरणों के क्षेत्रों में किए गए कार्यों के लिए जाना जाता है।

श्रीनिवास रामानुजन एक बार अपने भाषण में कहा था कि जैसे मोरों में शिखा और नागों में मणि का स्थान सबसे ऊपर हैं, वैसे ही वेदांग और शाश्त्रों में गणित का स्थान सबसे ऊपर है। एक समीकरण मेरे लिए तब तक कोई मायने नहीं रखता जब तक कि वह ईश्वर के विचार को व्यक्त न करें। वर्ष 2012 में चेन्नई में 26 दिसम्बर 2011 को महान गणितज्ञ श्रीनिवास अयंगर रामानुजन की 125वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में वर्ष 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष और श्रीनिवास अयंगर रामानुजन के जन्म दिवस दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया गया। 2012 का भारतीय डाक टिकट भी राष्ट्रीय गणित दिवस और रामानुजन की विशेषता के लिए समर्पित है। तब से प्रत्येक वर्ष 22 दिसम्बर को महान गणितज्ञ श्रीनिवास अयंगर रामानुजन की स्मृति में राष्ट्रीय गणित दिवस विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में कई शैक्षिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। बहरहाल भारत की गणित के क्षेत्र में एक अति प्राचीन, बहुत विस्तृत और अत्यंत गौरवशाली परंपरा रही है। इस वृहत व गौरवान्वित करने वाली भारतीय गणितीय परंपरा को संरक्षित, प्रोत्साहित और विस्तारित किए जाने की सख्त आवश्यकता है। इस दृष्टि से लोगों को गणित के महत्व और इस क्षेत्र में हुई प्रगति और विकास के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय गणित दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है।

मंथन

एकजुट एनडीए का तीन तरह इंडि गठबंधन से मुकाबला

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आगामी लोकसभा चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियां अपनी रणनीति बना कर चुनावी संघर्ष में कूद गई है। इस समय एकजुट एनडीए का तीन तरह इंडिया गठबंधन से मुकाबला है। एनडीए हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में जीत के बाद उत्साहित है वहीं इंडि गठबंधन के सामने अपने घटक दलों में सीट शेयरिंग का काम काफी चुनौतीपूर्ण है। इसी बीच तृणमूल सुप्रीमो और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडि गठबंधन की और से प्रधानमंत्री पद के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित कर एक तीर से कई शिकार करने का प्रयास किया है लगता है यह चुनाव मोदी और खरगे के चेहरे पर लड़ा जायेगा। यदि ऐसा होता है तो यह अब तक का सबसे दिलचस्प चुनाव होगा। अस्सी आयु पार खरगे दलित समुदाय से है। कर्नाटक जीत का श्रेय भी उन्हें दिया जा सकता है। कन्नड़ होने के बावजूद हिंदी में जोशीला बोलते है। भाजपा और प्रधान मंत्री पर हमला बोलते समय कई बार मर्यादा का उल्लंघन भी कर देते है। ममता ने खरगे का नाम प्रस्तावित कर नेहरू गाँधी परिवार के वारिस राहुल गाँधी का प्रधानमंत्री बनने का रास्ता काट दिया है। हालाँकि खरगे ने कहा मैं वंचितों के लिए काम करता हूं। पहले जीतें फिर देखेंगे। इंडि गठबंधन के निर्माण के साथ सबसे पूर्व कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नाम की ही दावेदारी की गई थी, लेकिन राहुल के नाम पर विपक्षी दल एकजुट नहीं हुए। इसके बाद नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, शरद पवार समेत कई वरिष्ठ नेताओं के नाम सामने आए, लेकिन हर नेता के नाम पर दूसरा नेता सहमत नहीं दिखा। गठबंधन में सबसे बड़ा दल कांग्रेस है, इसलिए प्रधानमंत्री का चेहरा कांग्रेस से होना चाहिए। खरगे के नाम पर विपक्षी पार्टियों के बीच उनकी स्वीकार्यता भी देखी जाती है, मगर सियासी क्षेत्रों में इसे लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। आने वाले लोकसभा चुनाव में इसे दक्षिण और उत्तर की लड़ाई के रूप में भी देखा जा रहा है।

भाजपा और एनडीए के पास प्रधान मंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी जैसा लोकप्रिय और मजबूत व्यक्तित्व है। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में जीत के बाद भाजपा के हौसले बुलंद है। तीन राज्यों में से दो राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ को भाजपा ने कांग्रेस से छीन लिया। मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस की उम्मीदें धराशाही हो गयी। तेलंगाना को एक क्षेत्रीय पार्टी से छीन कर कांग्रेस ने जरूर कुछ राहत महसूस की है। मगर तीन राज्यों में भाजपा की शानदार जीत ने कांग्रेस के छक्के छुड़ा दिए। इसे छह महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव से पूर्व सेमी फ़ाइनल की संज्ञा दी जा रही है। देश के सामने वर्तमान में तीन मोर्चे की त्रिकोणात्मक लड़ाई है। पहला मोर्चा भाजपा नीत एनडीए का है तो दूसरा मोर्चा कांग्रेस नीत इंडि गठबंधन का है। तीसरा मोर्चा निर्गुट कही जाने वाली क्षेत्रीय पार्टियों का है। तीन राज्यों को जीतने के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का कद और देशभर में मोदी की गारंटियों पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। देश के अधिकांश राज्यों में एनडीए और इंडिया गठबंधनों के बीच सीधे मुकाबले के आसार है। उड़ीसा, तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब और यूपी जैसे प्रदेशों में त्रिकोणात्मक संघर्ष की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। एक तरफ भाजपा के नेतृत्व में 38 पार्टियों का एनडीए है। दूसरी तरफ 28 पार्टियों का इंडिया गठबंधन है। 2019 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए को 45 फीसदी वोट मिले थे। जिसमें अकेले भाजपा का वोट 37.6 फीसदी था। दूसरी ओर कांग्रेस के साथ जिन पार्टियों की बैठक हुई उन सबको मिला कर कुल वोट 38 फीसदी के करीब यानी भाजपा के बराबर मिला था। यानी अकेले भाजपा बैठक में शामिल विपक्ष की सभी पार्टियों पर भारी है।

चिंतन

भारत में बढ़ता ई-कचरा एक बड़ी चुनौती

श्रीराम माहेश्वरी

देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का प्रचलन तेजी से बढा है। घरों से लेकर उद्योगों में, मशीनों और वाहनों में सभी जगह इन उत्पादों का प्रयोग किया जा रहा है। यह सच है कि इससे तेजी से विकास हुआ है, लेकिन उपयोग के बाद निकलने वाले उपकरणों के ई-कचरे के रूप में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। इस कारण से पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह एक चिंता का विषय है। विश्व भर में कंप्यूटर सहित अनेक इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का प्रयोग बढा है। जब ये उत्पाद खराब हो जाते हैं या चलन से बाहर हो जाते हैं तो इन्हें अन्य लोगों को बेच दिया जाता है। बाद में ये कबाड़ व्यवसाई के पास पहुंचते हैं। इन उत्पादों के अंदर कई महंगी धातुएं लगी होती हैं, जिन्हें असंगठित क्षेत्र की श्रमिक जलाकर निकालते हैं। जलाने के दौरान गैसें निकलती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं और वायुमंडल में प्रदूषण पैदा करती हैं। यह खतरनाक प्रक्रिया कई वर्षों से शहरों और नगरों में चल रही है। इस ई-कचरे को साधारण कचरे के साथ अनेक स्थानों पर डंप कर दिया जाता है, जो मिट्टी और भूजल के लिए भी नुकसानदायक है। इससे पर्यावरण में संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। उल्लेखनीय है कि कचरे की इस समस्या के निराकरण के लिए विश्व समुदाय ने 1989 में बेसिल समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, तब अमेरिका ने इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया। उसे इस समझौते के दायरे

में लाने के प्रयास भी किए गए, इसलिए कि अमेरिका इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का सर्वाधिक उपयोगकर्ता देश है। इसके बावजूद वह इस समझौते को नहीं मानता है। इसके अलावा विचारणीय तथ्य यह भी है कि वह अपने देश से निकल रहे ई कचरे को अन्य पिछड़े देशों को मुफ्त में दे देता है।

भारत में हर साल 17 लाख टन ई-कचरा निकल रहा है और हर साल इसमें 5 फीसदी की बढ़ोतरी भी हो रही है। भारत में गरीबी होने और श्रम सस्ता होने के कारण एक बड़ी आबादी इस कचरे से महंगी धातु में निकालने के खतरनाक कार्य में लगी है। प्लास्टिक का पुनर्चक्रण करके देश में खिलौने तथा अन्य वस्तुएं बनाने का काम चल रहा है। ज्यादातर इस प्रक्रिया से जुड़े असंगठित क्षेत्र के श्रमिक लोग हैं, इसलिए उनके साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। उनके द्वारा प्लास्टिक तथा तारों को जलाया जाता है। सर्किट बोर्ड (आईसी) को पिघलाकर भी उनमें से धातुएं निकालते हैं। कंप्यूटर के रंगीन मॉनिटर में 3.6 किलोग्राम सीसा होता है जो वातावरण में फैलता है। इसके अलावा फोटो सक्रिय तत्व, अमल, क्लोरोनेटेड और ब्रॉमिनेटेड अवयव विषैली धातु कंप्यूटर में रहती है। जब इन्हें जलाया जाता है तो वातावरण में अनेक हानिकारक गैसे फैलती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है।

भारत में अपशिष्टों के प्रबंधन और निपटान व्यवस्था को विनियमित करने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अनेक निर्माताओ से चर्चा की। उनसे पुनरप्राप्ति और रीसायकल केंद्र स्थापित करने के लिए कहा है। ई कचरे की समस्या के निराकरण के लिए वर्ष 2011 में ई कचरा (प्रबंधन तथा निपटान) नियम 2011 बनाया गया था जो अधिक प्रभावी नहीं हो सका। बाद में पर्यावरण एवं वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 23 मार्च 2016 को ई कचरा प्रबंधन नियम 2016 बनाया गया। इसके तहत ई कचरा इकट्ठा करने तथा आदान-प्रदान करने की लिए व्यवस्था को विनियमित किया गया। बड़े उपयोगकर्ता इस कचरे को एकत्र करेंगे और उसे रीसायकल करने वालों को देंगे।

पर्यावरण मानकों के अनुरूप इस प्रक्रिया को पालन करना अनिवार्य किया गया है। इस प्रक्रिया हेतु भारत सरकार ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को देश में एकल प्राधिकरण की मान्यता दी है। राज्य सरकारों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे श्रमिकों के लिए कौशल विकास तथा सुरक्षा के उपाय करें, जो कचरे के कार्य में लगे हुए हैं। इन नियमों के उल्लंघन करने पर दंड का प्रावधान भी किया गया है। संभावना है कि इससे समस्या का समाधान हो सकेगा। इसके साथ ही कचरे में कमी लाने के लिए ग्रीन पीसी के निर्माण का भी प्रयास किया जा रहा है। ग्रीन पीसी का अर्थ है भविष्य में ऐसे कंप्यूटर का निर्माण किया जाए जो पर्यावरण के अनुकूल हो। यदि ऐसा होता है तो ई-कचरे में निश्चित रूप से कमी आएगी। अन्य देशों में भी इस दिशा में कार्य प्रगति पर है। यह सच है कि आज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का प्रयोग हमारे दैनिक जीवन की आवश्यकता बन गया है। दैनिक जीवन में इनका उपयोग हम बंद नहीं कर सकते। इस परिस्थिति में हमें ई कचरे के उचित निपटान की ठोस व्यवस्था करना आवश्यक है। ज्यादातर उपकरणों का निर्माण हमें पर्यावरण अनुकूल करना होगा। इस दिशा में हमें उद्योगों, निजी क्षेत्र तथा जन समुदाय सभी की भागीदारी सुनिश्चित करना होगी। साथ ही जन जागरूकता के प्रयास भी करना होंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इजराइल के हवाई हमले में नवजात और उसके भाई की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रफाह (गाजा पट्टी)। दक्षिणी गाजा शहर के एक अस्पताल में 17 दिन पहले जन्मी नवजात अल-अमीरा आयशा धरती पर तीन सप्ताह भी नहीं रह पाई और इजराइल-हमास युद्ध ने उसके जीवन का अंत कर दिया। फलस्तीन में इजराइली सैन्य बलों की लगातार बमबारी के बीच, 17 दिन पहले इस बच्ची का जन्म जिस अस्पताल में हुआ, वहां बिजली भी नहीं थी।

नवजात का नाम उसके परिवार ने बड़े उत्साह से अल-अमीरा आयशा रखा था जिसका अर्थ होता है 'राजकुमारी आयशा'। लेकिन मंगलवार को इजराइली हवाई हमले में उसकी मौत हो गई। हमले में नवजात का घर पूरी तरह से नष्ट हो गया और उसका भाई भी मारा गया। नवजात की दादी और हमले जीवित बची सुजैन जोराब ने बताया कि मंगलवार को सुबह होने से पहले रफाह में जब उनके अपार्टमेंट पर हमला हुआ तब उनका पूरा परिवार सो रहा था। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि हमले में 27 लोग मारे गए जिसमें आयशा और उसका दो साल का भाई अहमद भी शामिल हैं।

अस्पताल में अपने घायल बेटे के बिस्तर के किनारे बैठी सुजैन ने कांपती आवाज में कहा, ''वह सिर्फ दो सप्ताह की थी। उसका नाम भी पंजीकृत नहीं हुआ था।'' स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा में हुए हमले में पीड़ित परिवार पर यह विपदा उस वक्त आई जब फलस्तीन में मरने वाले लोगों की संख्या 20,000 के करीब पहुंच गई है। अधिकतर लोग इजराइली हवाई हमलों में मारे गए हैं।

चरमपंथी संगठन हमास और अन्य समूहों के उग्रवादियों द्वारा सात अक्टूबर को इजराइल पर हमले करने के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था। उग्रवादियों ने दक्षिणी इजराइल में घुसकर करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 240 अन्य लोगों का अपहरण कर लिया था। पीड़ितों में अधिकतर इजराइली नागरिक थे। सुजैन का परिवार गाजा में उन कुछ फलस्तीनियों में से था जो अपने घर पर ही रह रहे थे।

यह परिवार तीन मंजिला अपार्टमेंट में रह रहा था लेकिन हमले के डर से सब भूतल पर ही रहते थे। हमले में जोराब के परिवार के कम से कम 13 सदस्य मारे गए जिसमें एक पत्रकार एडेल भी शामिल था। इसके साथ ही आसपास के लोगों की भी जान चली गई। सुजैन ने कहा, हमले के बाद पूरा घर हमारे ऊपर ढह गया। बचावकर्मियों ने उन्हें और अन्य पीड़ितों को मलबे से निकाला जिनमें मृतक भी शामिल थे।

उन्होंने कहा कि राजकुमारी आयशा केवल 17 दिन की थी जिसका जन्म दो दिसंबर को रफाह के अमीराती रेड क्रीसेंट अस्पताल में हुआ था जहां बिजली नहीं थी। सुजैन ने कहा, आयशा बहुत कठिन परिस्थिति में पैदा हुई थी। हमले में आयशा की मां मलक जल गई है। उसके पिता मोहम्मद की कमर की हड्डी टूट गई है। रफाह के कुवैती अस्पताल के बिस्तर पर पड़े मोहम्मद के पास सुजैन आयशा और अहमद के शव ले कर आईं और दोनों बच्चों का चेहरा आखिरी बार दिखाया। मलक और मोहम्मद अपने बच्चों के शव देख कर बिलख पड़े। दोनों शवों को दफनाने के लिए भेज कर सुजैन ने कहा अपने पोते पोती को मैं नहीं बचा सकी। अपनी आंखों के सामने मैंने उन्हें खो दिया।

प्रस्तुति

पटना वीमेंस कॉलेज में बुधवार को एक समारोह में क्रिसमस का जश्न मनाते हुए प्रस्तुति देती छात्राएं।

प्रदर्शन

पटना में ग्रामीण डॉक्टरों ने बुधवार को पटना में अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में जनता दल यूनाइटेड (जद यू) कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

जैकलीन ने चंद्रशेखर को बयान देने से रोकने के अनुरोध को लेकर अदालत का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर कर कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर को उनसे संबंधित कोई भी बयान प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मीडिया में जारी करने से तत्काल रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया। अभिनेत्री ने अपनी याचिका में, मंडोली जेल के अधीक्षक और दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को निर्देश देने का अनुरोध किया कि वे चंद्रशेखर को उनके (जैकलीन) बारे में कोई और पत्र, बयान या संदेश जारी करने की अनुमति न दें। याचिका में कहा गया कि मीडिया में परेशान करने वाले पत्रों के अनचाहे प्रसार ने उनके लिए परेशान करने वाला माहौल उत्पन्न कर दिया है। इसमें कहा गया कि इसके अलावा, इससे उनकी सुरक्षा और हित भी प्रभावित हुए हैं।

ईओडब्ल्यू ने अपने जवाब में, कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि मामले के एक महत्वपूर्ण गवाह को आरोपी द्वारा परेशान किया गया और धमकी दी गई। इसने कहा कि इससे मुकदमा प्रभावित हो सकता है।

दलाई लामा ने बोधगया में अंतरराष्ट्रीय संघ फोरम का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गया। तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा ने बुधवार को बिहार के गया जिले में तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय संघ फोरम (आईएसएफ) 2023 का उद्घाटन किया। भगवान बुद्ध की ज्ञानस्थली बोधगया स्थित सांस्कृतिक केंद्र इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में परंपराओं को जोड़ना, आधुनिकता को अपनाना- आज की दुनिया में बुद्ध की शिक्षा पर एक संवाद विषय पर आज से शुरू इस तीन दिवसीय अंतराष्ट्रीय संघ फोरम 2023 का उद्घाटन करते हुए दलाई लामा ने कहा, हर किसी में करुणा पैदा होनी चाहिए, चाहे वह पाली या संस्कृत परंपराओं में बौद्ध धर्म का पालन करते हों। हमें अपने और विश्व शांति के लिए बोधिसत्व की प्रथाओं का पालन करना चाहिए। मैं बोधिसत्व की प्रथाओं का पालन करता हूं और वे मेरे लिए बहुत फायदेमंद हैं।

तिब्बती धर्म गुरु ने कहा, इसी प्रकार, बोधिचित्त एक बहुत ही अनमोल अभ्यास है जो आंतरिक शक्ति प्रदान करता है...और मैं इसका भी पालन करता हूं। बोधिचित्त के कारण बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। हमें भी बोधिचित्त का प्रमुखता के साथ पालन करना चाहिए और दूसरों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। जब आपके पास बोधिचित्त होता है, तो आप सहज महसूस करते हैं। क्रोध, घृणा और ईर्ष्या शांत हो जाती है। हमें याद रखना चाहिए कि हमें बड़े पैमाने पर दुनिया की सेवा करनी है... हमें समाज की भलाई के लिए काम करना चाहिए। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी मौजूद थे।

इस सम्मेलन में विभिन्न देशों के बौद्ध परंपराओं के 2000 अनुयायी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न बौद्ध परंपराओं के भिक्षु और विद्वान विनय नियमों के बारीक पहलुओं और 21वीं सदी में बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा शुरू करेंगे। आईएसएफ के एक बयान के अनुसार, सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य दक्षिण पूर्व और दक्षिण एशियाई देशों भारत, थाईलैंड, म्यांमा, कंबोडिया, लाओस, श्रीलंका, बांग्लादेश और इंडोनेशिया की पाली परंपराओं के मानने वालों और संस्कृत परंपरा के तिब्बत, भूटान, नेपाल, वियतनाम, चीन, ताइवान, जापान, कोरिया, रूस, मंगोलिया और दुनिया के अन्य हिस्सों के लोगों के बीच संवाद और सहयोग विकसित करना है।

तिब्बती धर्म गुरु 23 दिसंबर की सुबह महाबोधि स्तूप में जनता के साथ अंतरराष्ट्रीय संघ फोरम के प्रतिनिधियों के साथ विश्व शांति प्रार्थना सत्र में भाग लेंगे। इसके अलावा वे 29, 30 और 31 दिसंबर को बोधगया के कालचक्र मैदान में धार्मिक प्रवचन देंगे। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित दलाई लामा की लंबी आयु के लिए एक जनवरी 2024 की सुबह कालचक्र मैदान में विशेष प्रार्थना भी की जाएगी।

रिलायंस भारत में खबरों में सबसे अधिक दिखने वाले कॉरपोरेट के तौर पर कायम

नयी दिल्ली।राजस्व, मुनाफा और बाजार मूल्यांकन के मामले में भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड खबरों में रहने वाली भारत की कंपनियों में शीर्ष पर बनी हुई है।

विजिकी न्यूज स्कोर की 2023 की रैंकिंग में यह जानकारी दी गई है। विजिकी की न्यूज स्कोर रिपोर्ट के अनुसार, इस रैंकिंग में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) दूसरे स्थान पर, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल लिमिटेड हैं। विजिकी का न्यूज स्कोर उद्योग का पहला एकीकृत मीट्रिक है जो समाचार दृश्यता को मापता है।

फिल्म 'फाइटर' में ऋतिक रोशन एक बार फिर यूनिफॉर्म में नजर आएंगे

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन फिल्म 'फाइटर' में कई वर्षो के बाद वायुसेना पायलट की यूनिफॉर्म में नजर आने वाले है और उनके साथ-साथ अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर जैसे सितारे फिल्म में अपना किरदार निभाते दिखाई देंगे। इस एक्शन फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ दीपिका पादुकोण की रोमांटिक केमिस्ट्री भी नजर आयेगी। फिल्म रिलीज से पहले ही सामने आए टीजर में इसकी झलक देखने को मिली है और अब एक नया गाना आने वाला है, जिसमें दोनों कलाकार बोल्डनेस का तड़का

लगाते दिखेंगे। इस गाने को समुद्र किनारे फिल्माया गया है, जिसमें दीपिका पादुकोण स्विमसूट में दिखेंगी। वहीं ऋतिक रोशन बिना कमीज पहने नजर आने वाले हैं। दोनों की केमिस्ट्री कमाल की होने वाली है। इस गाने को लेकर 'फाइटर' स्टार ऋतिक रोशन ने अपडेट साझा किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस गाने का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें दीपिका पादुकोण ब्लैक मोनॉकिनी में नजर आ रही हैं। ऋतिक रोशन दीपिका को कमर से पकड़े दिख रहे हैं। रिलीज होने वाले इस गाने का नाम 'इश्क जैसा कुछ' है।

इस पोस्टर को शेयर करते हुए ऋतिक रोशन ने लिखा, ''इश्क जैसा कुछ', 22 दिसंबर को रिलीज होगा।' दीपिका पादुकोण ने भी इसी कैप्शन के साथ पोस्ट साझा किया है। मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, 'फाइटर' सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित है। इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म सालार को 'ए' सर्टिफिकेट मिलने से निदेशक प्रशांत नील नाखुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। प्रभास स्टारर फिल्म सालार रिलीज होने में अब कुछ ही दिन बाकी रह गए है और इस फिल्म को लेकर फिल्म प्रशंसको की उत्सुकता काफी बढ़ गयी है, लेकिन फिल्म सालार के निदेशक प्रशांत नील ने फिल्म को ए सर्टिफिकेट मिलने को लेकर निराशा व्यक्त की है और सेंसर बोर्ड के इस फैसले से वह नाखुश हैं। इस साल 'आदिपुरुष' जैसी फिल्म करने के बाद प्रभास बहुत जल्द फिल्म 'सालार' में नजर आने वाले हैं। प्रभास की आने वाली इस फिल्म को लेकर चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है। रिलीज से पहले 'सालार पार्ट-1 सीजफायर' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड यानी सेंसर बोर्ड की तरफ से मिले ए सर्टिफिकेट को लेकर यह फिल्म सुर्खियों में है। इस बीच फिल्म के निदेशक प्रशांत नील ने इस मामले पर अपनी राय रखी है और सेंसर बोर्ड के फैसले पर निराशा व्यक्त की है। हाल ही में 'सालार' के प्रमोशन के दौरान प्रशांत ने 'बाहुबली' फेम निदेशक एस एस राजामौली के साथ एक खास बातचीत की है। इस दौरान 'केजीएफ चैप्टर 2' के निर्देशक ने सालार फिल्म को मिले ए सर्टिफिकेट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, सालार दो दोस्तों देवा और वर्धा की कहानी है। जिसमें नाटक और हिंसा भी देखने को मिलेगी, लेकिन इसमें ऐसा कुछ भी नहीं जिससे सीबीएफसी की तरफ से ए सर्टिफिकेट दिया जाए। सेंसर बोर्ड ने फिल्म में से कुछ दृश्यों को काटा दिया फिर भी मैने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। मैंने कोई अश्लील फिल्म नहीं बनाई है जो इसे ए सर्टिफिकेट मिले।

'सालार पार्ट-1 सीजफायर' का फिल्मी प्रेमी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और 22 दिसंबर (शुक्रवार) को प्रभास की सालार बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म के जरिए प्रभास की फिर से बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार वापसी के तौर पर देखा जा रहा है।

वायकॉम18 लाइव पर होगा 'माशा एंड द बियर' का नाट्य रूपांतरण

मुंबई/वार्ता

वायकॉम18 लाइव पर निक जूनियर की प्रसिद्ध एनिमेटेड सीरीज़, 'माशा एंड द बियर' का लाइव नाट्य रूपांतरण होगा। वायकॉम18 लाइव द्वारा निर्मित माशा एंड द बियर' का रूपांतरण पूरे देश में एक अद्भुत यात्रा पर ले जाएगा, जिसकी शुरुआत 23 दिसंबर 2023 को मुंबई से होगी। इसके बाद बैंगलोर, दिल्ली और हैदराबाद में आकर्षक परफ़ॉर्मेंस देते हुए इस सफ़र का समापन मार्च, 2024 में मुंबई में होगा।इस शो के विभिन्न किरदारों के साथ 'माशा एंड द बियर लाइव' एक म्यूज़िकल कहानी है, जो माशा, द बियर, प्रोफेसर नॉनबेलिवियस, रोज़ी, पांडा, स्लाई फॉक्स और सिली फॉक्स आदि के इर्द-गिर्द घूमती है, जो माशा के घर से गायब हुए सामान का रहस्य सुलझाने के लिए उसके साथ मिलकर काम करते हैं।

माशा एंड द बियर लाइव के शो डायरेक्टर, विशाल असरानी ने कहा, 30 साल तक थिएटर में काम करने और ड्रीमवर्क्स के मेडागास्कर- ए म्यूजिकल एडवेंचर एवं रुडयार्ड किपलिंग के द जंगल बुक जैसे कई प्रोडक्शन भारत में लाने के बाद, हमसे वायकॉम18 द्वारा माशा एंड द बियर के डायरेक्शन के लिए संपर्क किया गया।

यह एक शादार प्रोजेक्ट है, जो इससे पहले भारतीय दर्शकों ने कभी नहीं देखा होगा। इसलिए इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के गीत, नृत्य एवं मनोरंजन की कहानी देखने के लिए तैयार हो जाइए, जो पहली बार भारत में दिखाई जा रही है।

फिल्म द आर्चीज के गाना 'प्लम पुडिंग' का वीडियो रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड फिल्म निर्माता ज़ोया अख्तर की म्यूजिकल ड्रामा 'द आर्चीज़' के गाना 'प्लम पुडिंग' का वीडियो रिलीज हो गया है। संगीतमय तिकड़ी शंकर-एहसान-लॉय द्वारा रचित, अंकुर तिवारी और जोया अख्तर द्वारा लिखित और अंकुर तिवारी और शिबानी अख्तर का गाया गया, 'प्लम पुडिंग' दिल छू लेने वाले गीत और सुंदर दृश्य पेश करता है।

'प्लम पुडिंग' बनाने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, शंकर-एहसान-लॉय ने कहा, 'प्लम पुडिंग' 'द आर्चीज़' में ताजगी और एक रोमांटिक तत्व लाता है। इसे ज़ोया अख्तर और अंकुर तिवारी ने बहुत खूबसूरती से लिखा है। शिबानी अख्तर और अंकुर तिवारी ने इसे गाते हुए, सही भावनाओं और भावनाओं को जगाते हुए, अद्भुत काम किया है। उनमें से प्रत्येक के साथ सहयोग करना प्यारा था, और हमें उम्मीद है कि दर्शक इस गीत का आनंद लेंगे। यह संगीत के अन्य सभी गीतों से काफी अलग है।'

अंकुर तिवारी ने कहा, 'प्लम पुडिंग' वास्तव में पूरे एल्बम में हमारे दर्शकों के लिए सबसे प्यारा है। यह एक खूबसूरत रचना है जिसे गाते समय शिबानी अख्तर और मैं मुस्कुराए बिना नहीं रह सके। गीत लिखते समय मेरा उद्देश्य यह था कि वे दर्शकों के साथ गूंजें, लोगों को सरल, पुराने दिनों की यादें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ आनंद लेने की याद दिलाएं। शिबानी अख्तर ने कहा, प्लम पुडिंग गाना अद्भुत था। हमने इस गाने पर काम करके बहुत अच्छा समय बिताया, खासकर इसलिए क्योंकि यह बहुत ही दिल को छू लेने वाला और खास है। शंकर-एहसान-लॉय और अंकुर तिवारी, ऐसे प्रतिभाशाली संगीतकार और कलाकार होने के नाते, पूरे अनुभव को और भी अधिक रोमांचक और समृद्ध बना दिया। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसका उतना ही आनंद लेंगे, जितना हमने इस पर काम करते समय लिया था। 'प्लम पुडिंग' सोनी म्यूजिक के यूट्यूब चैनल के साथ-साथ सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

काँठाप्रांत युवक परिषद ट्रस्ट द्वारा महिलाओं के लिये बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विशेष रूप से महिलाओं के लिये आयोजित पीज़न कप बैडमिंटन प्रतियोगिता के फ़ाइनल में रिद्धि आशादेवी डागा के स्वामित्व वाली महावीर चेलेंजर्स टीम ने ताराबाई सारीकादेवी गुन्देचा के स्वामित्व वाली अरिहंत एवेंजर्स टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया।

सुख भोग में नहीं, त्याग में ही मिलता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। शहर में साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी के दर्शनार्थ आए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि वाणी और पानी दोनों में छवि नजर आती हैं । पानी स्वच्छ होता है तो, चित्र नजर आता है और वाणी मधुर हो तो, चरित्र नजर आता है। जिनवाणी श्रवण करने से आत्मा पवित्र होती है। क्रोध, मान, लोभ, माया आदि खत्म होने से हम यह पहचान कर सकते है कि हमारे लिए क्या अच्छा और क्या बुरा है। जीवन जितना मर्यादित होगा उतना ही आनंदित होगा। सुख भोग में नहीं, त्याग में ही मिलता है। हमारी भावना राग-द्वेष रहित होकर उत्तम रहे। हमेशा याद रहे अज्ञानी व मोहग्रस्त जीव दुःख पाता है। उनके पीछे वह धर्म को भी छोड़ देता है जबकि धर्म से जुड़े रहने पर ही वास्तविक सुख की प्राप्ति होगी।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि जिनवाणी के अलावा ऐसा कोई मंत्र, तंत्र या जप नहीं है जो पाप को खत्म कर सके। वीतराग प्रभु की जिनवाणी का श्रवण करके ही आधि, व्याधि मिटाकर समाधि की ओर प्रस्थान किया जा सकता है। कर्मो को क्षय कर मोक्ष जाने की राह जिनवाणी ही दिखाती है। भव भम्रण समाप्त करने का एक मात्र उपाय जिनवाणी है। सुनील कुंकुलोल ने बताया कि साध्वीवृंद हावेरी संघ में पहुंची जहां संघ ने अक्षत से बधाकर उनका स्वागत किया। विहार ग्रुप हावेरी के सदस्यों ने विहार सेवा का लाभ लिया।

महावीर चैलेंजर्स ने जीती 'पीज़न कप बैडमिंटन प्रतियोगिता'

अरिहंत एवेंजर्स टीम रही उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। काँठाप्रांत युवक परिषद ट्रस्ट द्वारा महिलाओं के लिये बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विशेष रूप से महिलाओं के लिये आयोजित पीज़न कप बैडमिंटन प्रतियोगिता के फ़ाइनल में रिद्धि आशादेवी डागा के स्वामित्व वाली महावीर चेलेंजर्स टीम ने ताराबाई सारीकादेवी गुन्देचा के स्वामित्व वाली अरिहंत एवेंजर्स टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। 125 लीग मैचों के बाद विजेता का फ़ैसला हुआ। परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी व काँठा गौरव अंकिता सुराणा ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ने में अनेकों चुनौतियों का सामना करना पड़ता है परंतु उन सबसे परे साहस के साथ आगे बढ़ते हुए सफलता का परचम लहराना है। मुख्य अतिथि का परिचय पायल कोठारी ने दिया।

खेल समिति अध्यक्ष विजय गुगलिया ने सभी प्रायोजकों के प्रति आभार जताया। खेल समिति उपाध्यक्ष अमित कोठारी ने बताया कि 126 खिलाड़ियों को नीलामी द्वारा ताराबाई गुन्देचा की अरिहंत एवेंजर्स, अनिता गांधी की बालाजी चेलेंजर्स, सुमित्रा रीना टपरावत की कारवॉन स्मेशर्स, सीमा खींवेसरा की खींवेसरा स्ट्राईकर्स, रिद्धी आशा डागा की महावीर चेलेंजर्स व डिंपल सुशीलादेवी बोहरा की रॉयल क्लब ऑफ़ बोहरा टीमों में विभाजित कर प्रतियोगिता आयोजित की गई। विशेष अतिथि के रूप में गौ प्रेमी महेंद्र मुणोत ने कहा कि पारिवारिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वाहन करते हुए तथा मर्यादाओं का पालन करते हुए महिलाओं का खेल के क्षेत्र में कदम बढ़ाना साहसिक कार्य है। सुनीता सुराणा ने महिलाओं के हिम्मत की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में इस प्रतियोगिता के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। काँठा परिषद सचिव सिद्धार्थ बोहरा ने संचालन करते हुए जानकारी दी कि इस महिला विशेष प्रतियोगिता में प्रायोजक, टीम मालिक व खिलाड़ी के रूप में केवल महिलाओं की भागीदारी रही। इस मौके पर अनेक सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

प्रभु से दूरी हमें सदगति से दूर करती है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिकारीपुर। शहर के आदिनाथ जैन संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि मंदिर कितना भी दूर हो हमें प्रभु दर्शन के लिए अवश्य जाना चाहिए जबकि हमारी दुकान या मंडी कितनी भी दूर हो हम जरूर जाते हैं। प्रभु के पास जाने में बिल्कुल देर नहीं करनी चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि यदि आपको मंदिर घर से दूर लगता है तो समझ लेना कि जीवन में सद्गति भी हमसें दूर हो जाएंगी। मुक्ति मे गति लाने के लिए हमें मंदिर अवश्य जाना होता अर्थात प्रभु दर्शन के लिए जरूर जाना चाहिए।

गुरु गणेश सेवा संगठन की बैठक में तपोधाम निर्माण के लिए भूमि क्रय करने का निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु गणेश सेवा संगठन कर्नाटक के पंजीकरण के बाद पहली कार्य समिति की बैठक शिवाजीनगर में हुई। इस अवसर पर अशोक गुगलिया, ताराचंद गुगलिया, रमेश डूंगरवाल, दिनेशकुमार लोढ़ा, पदमचंद आच्छा, सुरेंद्र रूणवाल, किरणचंद बोहरा, प्रकाशचंद बाफना, सुरेशचंद खाबिया, उत्तमचंद मूथा, ताराचंद सहलोत भी उपस्थित रहे। बैठक में अमावस्या मासिक गौसेवा संग्रह और प्रत्येक अमावस्या पर सदस्यों द्वारा अलग-अलग गौशाला का दौरा करने, संवत्सरी के बाद सदस्यों के लिए जालना में वार्षिक संघ यात्रा का आयोजन करने पर चर्चा की गई। इस बैठक में जालना-बिलाड़ा की तर्ज पर एक ऐतिहासिक गुरु गणेश दक्षिण तपोधाम के निर्माण के लिए बेंगलूरु के आसपास कुछ एकड़ जमीन खरीदने क लिए चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन का बैंक खाता खोलने और उसका संचालन प्राधिकारी नियुक्त करने का भी निर्णय किया गया। अशोक गुलालिया ने भविष्य की बैठकों में अधिक कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति का आग्रह किया। समापन पर सचिव रमेश डूंगरवाल के सभी को धन्यवाद दिया।

व्यसन मुक्त भारत अभियान के लिए स्वास्थ्य मंत्री से मिले परिषद के सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ के ही घटक जैन रत्न युवक परिषद कर्नाटक के सदस्यों ने व्यसन मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव से उनके निवास कार्यालय पर मुलाकात कर उन्हें विद्यालयों में जारी व्यसन मुक्त भारत अभियान की जानकारी दी।

इस मौके पर व्यसन मुक्ति समिति के संयोजक दीपक भण्डारी, ट्रस्टी सज्ञनराज मेहता, सुनील लोढा और युवक संघ के मंत्री निखिल गुंदेचा उपस्थित थे। पूरे कर्नाटक में व्यसन मुक्ति के संदेश को फैलाने और बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए युवक परिषद की गतिविधियों में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग की अपील की। मंत्री ने हर संभव सहयोग देने की बात कहीं।

उत्साहवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डॉ अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी मालथहली द्वारा अंतर कॉलेज कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 15 से भी विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने फाइनल मैच के दौरान खेल मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलें। खेल में जीत या हार मुख्य नहीं है खेल में मुकाबला होना चाहिए जिससे देखने वाले को भी आनंद आए और खेलने वाले को भी आनंद आए। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

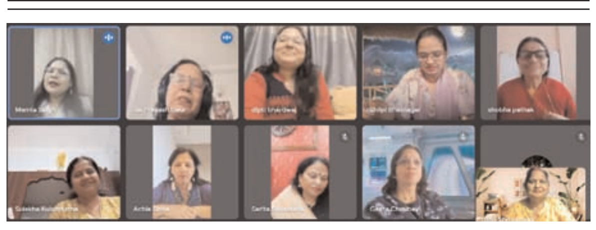

भाषा साहित्य मंच की वर्षांत गोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भाषा साहित्य मंच की ऑनलाइन काव्य संगोष्ठी सम्पन्न हुई, जिसमें नए वर्ष के स्वागत व बीते वर्ष की यादों के संबंध में प्रस्तुतियां दी गई। अध्यक्ष व संस्थापिका डॉ. ऊषा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।सरस्वती वंदना सरिता श्रीवास्तव ने की। गोष्ठी में नये वर्ष की मंगलमय शुभकामनाओं से ओतप्रोत गीत, कविता और अयोध्या के राममंदिर में राजाराम की प्रतिष्ठा के अवसर पर भक्तिमय भजन व काव्यकृतियां की प्रस्तुति शिल्पी भटनागर, शोभा सतीश पाठक, डॉ. सीमा भाँति, डॉ उषा श्रीवास्तव, जागृति शंकर, भगवती सक्सेना, दीप्ति भारद्वाज, अचला प्रवीन, शोभा पाठक, सरिता श्रीवास्तव, गीता चौबे, सुलेखा कुलश्रेष्ठ, ममता सिंह राठौर ने दी। संचालन शोभा पाठक व भगवती सक्सेना ने किया। शोभा पाठक ने धन्यवाद दिया।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में हुआ मुमुक्षु का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगड़ी के तत्वावधान में साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में मुमुक्षु अभिनन्दन कार्यक्रम हुआ। दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, उपाध्यक्ष तेजराज मालानी, पुखराज कवाड, ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, ललिता तेजराज गुलेच्छा, पवनी बाफना ने मुमुक्षु शोभाबाई कोटडिया का सम्मान किया। ललित डाकलिया ने बताया कि मुमुक्षु शोभा की भगवती दीक्षा बेंगलूरु में 11 फरवरी को आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के सान्निध्य में साध्वीश्री सूर्यप्रभाजी की निश्रा में होगी। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

यशवंतपुर में महिलाओं और बच्चों की चिकित्सा को समर्पित नई सुविधा का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वास्थ्य चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणी स्पर्श ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने यशवंतपुर में महिला एवं बच्चों को समर्पित महिला-बाल देखभाल केन्द्र की शुरुआत की। इस नई सुविधा के तहत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य जांच व देखभाल की व्यवस्था रहेगी।

इस सुविधा के माध्यम से पोषण और सहायक वातावरण में उच्चतम गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करने का अस्पताल का उद्देश्य है। इस अवसर पर महिला विश्व स्नूकर चैंपियन विद्या वी पिल्लई उपस्थित थीं।

महिलाओं व बालकों के स्वास्थ्य सुविधा से लबरेज इस प्रकार के केन्द्र इन्फेंट्री रोड और आरआर नगर स्पर्श अस्पतालों में पहले से ही मौजूद है। स्पर्श अस्पताल यशवंतपुर की डॉ पद्मलता वी वी ने कहा कि हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारी स्वास्थ्य सेवाओं में यह महत्वपूर्ण शुरुआत अनगिनत जिंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी। यह नई सुविधा महिलाओं और बच्चों को स्वस्थ व सशक्त बनाएगी।

सुसवाणी माता की चौकी में गूंजे माता के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। घर-घर भक्ति, हर घर भक्ति के नारे' तले स्थापित बेंगलूरु माँ सुसवाणी महिला मंडल की मासिक सभा एवं माताजी की चौकी व भक्ति का आयोजन मंडल के संस्थापिका अध्यक्ष संगीता सुराना के निवास पर हुआ। मंडल सदस्याओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ भजनों की प्रस्तुति दी, कार्यक्रम में माता के जयकारे गूंजे। बतौर अतिथि के रुप मे ममता सोलंकी एवं नेहा गुगलिया उपस्थित रहीं। माताजी को छप्पनभोग अर्पण के पश्चात संरक्षिका दुर्गा सुराना ने मंडल के आगामी कार्य योजना को विस्तार से बताया। इस मौके पर सचिव हेमलता सुराना, गुणवंती सुराना, आशा सुराना, मधु सुराना, शकुंतला सुराना, अरुणा सुराना, पुनम सुराना, सजनी सुराना आदि उपस्थित थीं।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com